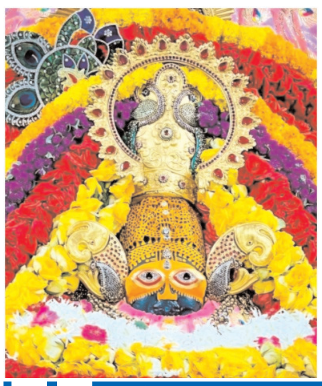

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:333। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'चार बार भेजा बातचीत का प्रस्ताव'

मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- किसी भी समय चर्चा को तैयार है सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली । छात्रों के आंदोलन के बीच केंद्र सरकार ने एक बार फिर बातचीत की पेशकश की है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटों में छात्र प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए चार अलग-अलग प्रस्ताव भेजे गए हैं और सरकार किसी भी समय, किसी भी अवधि तक चर्चा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार छात्रों से अपील करती है कि वे आगे आएं ताकि इस गतिरोध का समाधान निकाला जा सके। उन्होंने कहा, 'सरकार जिस भी मुद्दे को लेकर आंदोलन हो रहा है, उस पर ही नहीं बल्कि उससे जुड़े सभी विषयों पर खुले मन से चर्चा करने के लिए तैयार है।'

उन्होंने बताया कि यह बातचीत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के आवास या कार्यालय में आयोजित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्थान का निर्णय भी छात्रों की सुविधा के अनुसार किया जाएगा और वह स्वयं भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पहल छात्रों, युवाओं और देश के व्यापक हित में की जा रही है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे संवाद का रास्ता अपनाएं ताकि सभी पक्ष मिलकर समाधान तक पहुंच सकें।

दिल्ली पुलिस ने एपएसए को लेकर फैली खबरों का किया खंडन, कहा-यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नीट पेपर लीक को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को लेकर सामने आई खबरों पर दिल्ली पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के लिए उसे एनएसए के तहत कोई नई शक्ति नहीं दी गई है। यह आदेश वर्षों से लागू एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे हर तीन महीने में नवीनीकृत किया जाता है। दरअसल, दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) ने 15 जुलाई को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 की धारा 3(3) के तहत एक आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार, 19 जुलाई से 18 अक्टूबर तक दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएसए के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करने का अधिकार दिया गया है। इस अवधि के दौरान, यदि राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के हित में आवश्यक समझा जाए।

महिला प्रदर्शनकारी की मौत की खबर फर्जी, दिल्ली पुलिस ने जारी किया फैक्ट चेक

नई दिल्ली । जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी के प्रदर्शन के बीच सोशल मीडिया पर एक महिला प्रदर्शनकारी की मौत की खबर तेजी से वायरल होने लगी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने फैक्ट चेक जारी कर इसे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही यह खबर कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी की मौत हो गई है, पूरी तरह गलत है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संबंधित महिला जीवित हैं और उनका इलाज डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के अनुसार, अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि महिला की स्थिति स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी खबर को साझा करने से पहले उसकी आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि जरूर करें। पुलिस ने कहा कि जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार का मतलब है कि बिना जांचे-परखे किसी भी जानकारी को आगे न बढ़ाया जाए।

नीट पेपर लीक पर कटिहार में बवाल!

●समाहरणालय का गेट तोड़ने की कोशिश, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी

अमरावती। नीट पेपर लीक मामले को लेकर बिहार के कटिहार में गुरुवार को छात्रों का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। सैकड़ों छात्र समाहरणालय पहुंच गए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब प्रदर्शनकारी छात्रों ने समाहरणालय के मुख्य गेट का घेराव कर उसे तोड़ने का प्रयास किया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिस-प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

गेट तोड़ने की कोशिश से बढ़ा तनाव

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रदर्शन कर रहे छात्र NEET पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान भीड़ धीरे-धीरे उग्र होती चली गई। आक्रोशित छात्रों ने समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार तक पहुंचकर गेट को धक्का देना शुरू कर दिया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने गेट तोड़कर परिसर में प्रवेश करने की भी कोशिश की।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया।

पुलिस से धक्का-मुक्की के बाद हुआ लाठीचार्ज

गेट के पास प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की में बदल गई। हालात लगातार बिगड़ते देख पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और समाहरणालय परिसर की सुरक्षा बनाए रखने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस कार्रवाई के बाद कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और प्रदर्शनकारी इधर-उधर भागने लगे।

लाठीचार्ज के बाद पथराव, मौके पर मची अफरा-तफरी

लाठीचार्ज के बाद प्रदर्शन और उग्र हो गया। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बल पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। अचानक हुए पथराव से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा घेरा बनाकर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया।

नीट पेपर लीक पर ठाकरे भाइयों का केंद्र पर हमला, 26 जुलाई को संयुक्त मार्च का ऐलान

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीट पेपर लीक मामले और दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र की एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने 26 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा की। उद्धव और राज ठाकरे ने कहा कि यह विरोध मार्च 26 जुलाई (रविवार) को शिवाजी पार्क (शिवतीर्थ) से सिद्धिविनायक मंदिर तक निकाला जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मार्च पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगा और इसमें किसी भी राजनीतिक दल का झंडा नहीं, बल्कि केवल तिरंगा ही रहेगा। राज ठाकरे ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला अब केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जिम्मेदारी सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक जाती है।

अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी नेताओं ने सरकार को घेरा, बोले- 'जवाबदेही किसकी हैं'

नई दिल्ली। छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी नेताओं ने सरकार पर निशाना साधा है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 'हम उत्तर प्रदेश से हैं। हम यूपी सरकार का काम देख रहे हैं, और हम भारत सरकार को भी देख सकते हैं। यह किसकी जवाबदेही है? सरकार की जवाबदेही थी। ऐसा लगता है कि उनकी क्षमता अकाउंट भरने तक ही सीमित है, और हम उत्तर प्रदेश में इसे बहुत करीब से देख रहे हैं। जवाबदेही क्या है? अकाउंट भरने की उनकी क्षमता ही उनकी जवाबदेही लगती है।' समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, 'जे.पी. नड्डा ने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि लोगों को जंतर-मंतर पर नीट के खिलाफ छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। आज ऐसा कौन सा मुद्दा बचा है जो राजनीति से अछूता हो? यह भी भारतीय जनता पार्टी की ही राजनीति है। राजनीति की वजह से ही पेपर लीक हो रहे हैं। राजनीति की वजह से ही देशभर से लाखों छात्र अपनी बात रखने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए हैं। ' अवधेश प्रसाद ने कहा, ' 'जो कोई भी राजनीति कर रहा है, वह पब्लिसिटी और लाइमलाइट में बने रहने के लिए ऐसा कर रहा है। उनके लिए राजनीति का मतलब यही है। इसलिए, ऐसे बयान देने का असल में कोई फायदा नहीं है। '

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर निशिकांत दुबे बोले- 'छात्र आंदोलन नहीं पढ़ाई पर ध्यान दें'

नई दिल्ली । नीट पेपर लीक विवाद और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने के ऐलान का भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। उनका कहना है कि सरकार छात्रों के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है और पेपर लीक मामले में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और इस दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। अब छात्रों को आंदोलन करने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा था कि पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों को देश के बड़े वकीलों के सामने मुकदमे का सामना करना पड़ेगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। इसके बाद आज प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी यही दोहराया है। दुबे ने कहा कि सरकार चाहती है कि पेपर लीक में शामिल लोगों को ऐसी सजा मिले जो भविष्य के लिए नजीर बने, ताकि कोई भी व्यक्ति दोबारा इस तरह का अपराध करने से पहले कई बार सोचे। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर निशिकांत दुबे ने कहा, 'जंतर-मंतर आपके लिए सही जगह नहीं है। अगर आप मेडिकल कॉलेज या इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लेना चाहते हैं।

भारत से दक्षिण-कोरिया तक 7000 किलोमीटर लंबी बादलों की बेल्ट

देश में नॉर्मल से 170-180फीसदी ज्यादा बारिश; अहमदाबाद-मुंबई रूट पर 7 ट्रेनें रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। नई सैटेलाइट इमेज में भारत के हिमालय से दक्षिण कोरिया तक 7 से 10 हजार किलोमीटर लंबी बादलों की बेल्ट दिखाई दे रही है। इससे पूरे देश में भारी बारिश हो रही है। इसी वजह से देश में पिछले 2 दिनों में नॉर्मल से 170-180फीसदी बारिश हुई है।इसे मानसून कन्वर्जेंस जोन कहा जाता है। यह तब बनी जब हिंद महासागर से आई नमी भरी हवाएं एशिया की तरफ आई। इस वजह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात में लगातार 60 घंटे से बारिश हो रही है। वहीं, गुजरात के सूरत में 4 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। भेड़ावल और सीमादा नदियां उफान पर हैं। अन्य नदियां भी खतरनाक स्तर पर बह रही हैं। 2,244 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 3 जिलों में बारिश का रेड, 11 जिलों में ऑरेंज और 10 जिलों में यलो अलर्ट है।

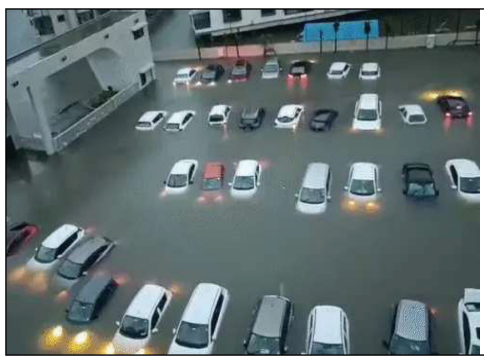

यूपी में आज 69 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उधर, असम में बाढ़ से 6.53 लाख लोग प्रभावित हैं। 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। अब तक मृतकों की संख्या 41 पहुंच गई है। महाराष्ट्र के नासिक में देर रात से हो रही भारी बारिश के कारण गोदावरी नदी उफान पर है। नदी का पानी रामकुंड समेत किनारे स्थित कई मंदिरों में घुस गया है।छत्तीसगढ़ के मध्य और उत्तर हिस्से के कई जिलों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय रहेगा।

गृह मंत्री शाह ने हिमंत बिस्वा सरमा से की बात

एजेंसी

गुवाहाटी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से राज्य में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही एक अंतर-मंत्रालयी (इंटर-मिनिस्टीरियल) टीम असम भेजेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और आश्वासन दिया कि केंद्रीय टीम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेगी।

दिल्ली में हाईवोल्टेज ड्रामा

गांधी स्मृति पहुंचे राहुल-प्रियंका, विपक्षी नेता भी साथः कहा- जिन छात्रों को खोया, उन्हें याद करेंगे; 2 दिन पहले पीएम आवास घेरा था

एजेंसी

नई दिल्ली । श की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया।

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।'

पहले हुई रणनीति बैठक, फिर निकला विपक्ष का काफिला

गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई। इसके बाद सभी नेताओं ने एक साथ बस से गांधी स्मृति जाने का फैसला किया। बैठक की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ भी आवास के बाहर जुटने लगी।

दिल्ली में एनएसए लागू : उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को दिए 3 महीने के लिए कड़े अधिकार, राजपत्र अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार के गृह (पुलिस-II) विभाग ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA - National Security Act, 1980) के तहत एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। उपराज्यपाल (Lt. Governor) के आदेश से जारी इस अधिसूचना के तहत दिल्ली पुलिस आयुक्त को किसी भी संदिग्ध या सुरक्षा के लिए खतरा बने व्यक्ति को हिरासत में लेने (Detaining Authority) की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। तीन महीने की अवधि के लिए प्रभावी होगा आदेश दिल्ली राजपत्र (Delhi Gazette E&traordinary) में 15 जुलाई 2026 को जारी इस अधिसूचना के अनुसार, **ये विशेष शक्तियाँ अगले तीन महीनों के लिए प्रभावी रहेंगी: प्रभावी समय सीमा:** 19 जुलाई 2026 से लेकर 18 अक्टूबर 2026 तक। **कानूनी प्रावधान:** राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 की उप-धारा (3) तथा धारा 2 के खंड (e) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपराज्यपाल ने धारा 3(2) के अंतर्गत निरुद्ध करने (Detain करने) का अधिकार दिल्ली पुलिस आयुक्त को सौंपा है।

सरकार व आन्दोलनकारी मिलकर जल्द सौहार्दपूर्ण समाधान निकालें: मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश की राजधानी नई दिल्ली में चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में विपक्षी दलों के नेताओं की भागीदारी को राजनीतिक लाभ लेने की मंशा करार दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि सरकार व आन्दोलनकारी दोनों मिलकर इसका शान्ति व सौहार्दपूर्ण समाधान जितना जल्द निकालें उतना उचित होगा। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इस संबंध में गुरुवार को पोस्ट की है। जिसमें उन्होंने कहा कि पेपरलीक सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का देश की राजधानी नई दिल्ली में संसद के नज़दीक जन्तर-मन्तर में पिछले कई दिनों से प्रदर्शन चल रहा है। अपने भविष्य को लेकर उनके द्वारा जारी अनिश्चितकालीन आन्दोलन के कारण सड़क से लेकर संसद तक ज़बरदस्त हंगामा बरपा है। अब विपक्ष के राजनीतिकरण से यह मुद्दा सरकार के साथ सीधे टकराव का हो गया है, जिस विषम स्थिति से देश को निकालना ज़रूरी है। क्योंकि इससे दिल्ली ही नहीं बल्कि विभिन्न राज्यों में भी आम जनजीवन प्रभावित होगा।

सरकार वार्ता को तैयार, आंदोलनकारी छात्र आवास या कार्यालय पर आएं : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे छात्रों से सरकार बातचीत के लिए तैयार है। इसके लिए छात्रों को उनके आवास या फिर कार्यालय आना होगा। करकी तैयारी और योजना निर्माण संसद परिसर में जेपी नड्डा ने कहा, 'हां, हम तैयार हैं। हमारे घर या हमारे आधिकारिक कार्यालय आ जाइए। 'वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये स्पष्ट कर दिया है कि जो दोषी हैं उन पर फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर कड़ी सजा दी जाएगी। हमारा कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि इस विषय का राजनीतिकरण ना करें। भागें मत, चर्चा कीजिए। करकी तैयारी और योजना निर्माण कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने 20 जुलाई को जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की थी और उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद बुधवार को दोबारा बातचीत के लिए आमंत्रित करने पर सीजेपी नेताओं ने कहा था कि वह उनके आवास या कार्यालय पर नहीं जाएंगे बल्कि किसी अन्य स्थान पर बातचीत के लिए तैयार हैं।

देश के पश्चिमी क्षेत्रों में अगले 6 दिनों के दौरान भारी बारिश के आसार

आज बारिश के साथ 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पश्चिमी हिस्से के विभिन्न क्षेत्रों में अगले छह दिनों के दौरान बहुत भारी बारिश जारी रहने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को हल्की बारिश का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर हल्की बारिश के साथ 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। इस दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस तथा 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शनिवार को भी यही स्थिति रहेगी जबकि रविवार को आमतौर पर बादल छाए रहने का अनुमान है। शनिवार को अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस तथा 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक अगले 3-4 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और उससे सटे उत्तर प्रायद्वीपीय भारत, पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है। शुक्रवार को गुजरात क्षेत्र, दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

दांता में नकली डॉक्टर सरेआम दवा फेंक रहे हैं

लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले डॉक्टरों को अब सिस्टम का डर क्यों नहीं रहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। दांता और हदद तालुका में ऐसे कई डॉक्टर हैं, जो लोगों की सेहत से समझौता करके गरीबों से एक दिन में हज़ार रुपये ले रहे हैं। हदद, दांता, नववास और जीतपुर मांकडी में नकली डॉक्टरों ने बड़े-बड़े हॉस्पिटल खोल लिए हैं और वहां MBBS की तरह लोगों को भर्ती कर रहे हैं। ऐसे नकली डॉक्टर सरेआम एक्सपायर हो चुकी दवाएं फेंक रहे हैं। ऐसे डॉक्टरों के साथ कौन से अधिकारी जुड़े हुए हैं, जो बिना किसी डर के लोगों की सेहत से समझौता कर रहे हैं? सवाल उठ रहे हैं कि ऐसे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। जब ऐसे डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, तो ऐसा लगता है कि ऊपर के अधिकारियों से महीने की मोटी सेटिंग है। अगर कोई सेटिंग नहीं है, तो सवाल यह भी उठ रहे हैं कि ऐसे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है।

छोटा उदेपुर जिले का शिहोद डायवर्सन पहले भी बारिश के पानी में बह गया था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

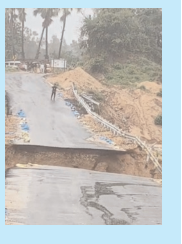

छोटा उदेपुर। ज्यादातर सड़कें खराब हो गई हैं, जिससे लोगों को अभी परेशानी हो रही है। तीन साल पहले सिहोद में बना पुल टूट गया था, जिससे लोगों को बहुत परेशानी हुई थी। लेकिन प्रशासन द्वारा बनाया गया डायवर्सन कई बार बह गया, लोगों ने अपने खर्चे पर सरकारी ड्राइवर बनवाकर ट्रैफिक शुरू किया, लेकिन प्रशासन द्वारा फिर से यह खराब डायवर्सन बनवा दिया गया। जो सड़क पहले ही पानी में बह गई थी, उस पर अब 40 किलोमीटर फिर से चलना पड़ेगा और बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन ने जो दूसरा रास्ता दिखाया है, वह भी बहुत ऊबड़-खाबड़ है और लोगों के लिए उस पर चलना मुश्किल हो जाएगा।

मेरिया ब्रिज के नीचे बना डायवर्जन तेज बहाव में बहा, भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। लगातार हो रही बारिश के बीच बोडेली के मेरिया ब्रिज के नीचे भारी वाहनों की आवाजाही के लिए बनाया गया पब्लिक डायवर्जन तेज पानी के बहाव में बह गया। डायवर्जन क्षतिग्रस्त होने से भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, बोडेली और छोटा उदयपुर जिले में सुबह से लगातार बारिश के चलते नदियों और नहरों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतने की अपील की है, जबकि किसानों ने बारिश से राहत और खुशी जताई है।

पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने से पहले 5 कार्यकर्ता हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। NEET और TET परीक्षा में कथित पेपर लीक तथा छात्रों के साथ हुए अन्याय के विरोध में कांग्रेस ने छोटा उदेपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इससे पहले पुलिस ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुखराम राठवा, अर्जुनभाई राठवा समेत पांच कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस कार्रवाई के बाद कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं की आवाज दबाने का आरोप लगाया।

कदवाल के करीकोई गांव में लाखों की लागत से बनी सीवर लाइन पहली बारिश में ही बह गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कदवाल। कदवाल ग्राम पंचायत के तहत करीकोई गांव में आंगनवाड़ी से खड्ड तक बनी सीवर लाइन पहली बारिश में ही बह गई, जिससे स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। गांव वालों के मुताबिक, लाखों रुपये की लागत से बना यह काम बारिश की पहली मार नहीं झेल सका, जिससे काम की क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मौके पर देखी गई स्थिति के मुताबिक, सीवर लाइन के कुछ हिस्से टूट गए हैं और मिट्टी बह जाने से सीवर का अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया है। गांव वालों का कहना है कि अगर काम नियमों और क्वालिटी स्टैंडर्ड के हिसाब से किया गया होता, तो पहली बारिश में ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। इस घटना के बाद गांव में अलग-अलग विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। गांव वाले संबंधित विभाग से पूरे काम की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गांव वालों का मानना ??है कि विकास के कामों में क्वालिटी को लेकर कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। सरकारी पैसे से होने वाले काम लंबे समय तक चलें, इसके लिए टेक्निकल जांच, क्वालिटी वेरिफिकेशन और जिम्मेदारी तय करने की मांग की जा रही है

कानून का झंडा: करजण में खाकी और खादी का काला धंधा!

पुलिस स्टेशन से सिर्फ दो किलोमीटर दूर देसी-विदेशी शराब और वर्ली मटका के अड्डे गुलजार हैं

99 गांवों में किश्त राज का अड्डा और हर महीने करोड़ों की काली कमाई का अड्डा!

जेल रिटर्न वहीवटदार हनुभा और LCB ASI भूपत रबारी के राज में होम मिनिस्टर का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा हवा हो रहा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कर्जन। आपने कई कहानियां सुनी होंगी कि कैसे गांधी के गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर ही रह गई, लेकिन वडोदरा जिले के करजण तालुका में जिस तरह से कानून-व्यवस्था की खुलेआम नीलामी हो रही है, उससे पूरा होम मिनिस्ट्री और पुलिस फोर्स शर्मसार होने वाला है। सत्ता के नशे में अंधी खादी और वसूली में अंधी खाकी के गठजोड़ ने पूरे करजण तालुका को क्राइम का सड़ा हुआ अड्डा बना दिया है।

हर गांव में फैला शराब और जुए का काला जाल, आंकड़ों के साथ पर्दाफाश

कर्जन तालुका में यह काला धंधा कहां, किसके संरक्षण में और किन आकाओं की छत्रछाया में चलता है, इसका पूरा खुलासा इस तरह है

करमडी गांव (पुलिस स्टेशन से सिर्फ 2 km): कर्जन पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे बसे इस गांव में दिन-रात देसी शराब की भट्टियों से धुआं निकलता रहता है। पुलिस की गाड़ियां वहां से सायरन बजाती हुई गुजरती हैं, लेकिन वे इन भट्टियों तक पहुंचने की हिम्मत नहीं करतीं।

कुराली गांव (नई नगरी): पानी की टंकी के पास नागिन नाम का आदमी खुलेआम वर्ली मटका के नंबरों पर जुआ खेल रहा है और युवाओं की मेहनत की कमाई लूट रहा है।

सपा गांव: नई बस्ती के पास एक और जुए का अड्डा उसी नागिन द्वारा बेखौफ चलाया जा रहा है। राणापुर और चिमकी गांव: सनसनीखेज आरोप लग रहे हैं कि राणापुर गांव के सरपंच पार्थ शाह, जिन्हें BJP युवा मोर्चा का सपोर्ट है, चिमकी गांव में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बेच रहे हैं।

कंडारी गांव: टावर के पास प्रदीप वसावा नाम का आदमी बिना किसी झिझक के अंग्रेजी शराब बेच रहा है।

हनुभा कामडिया
करजन पुलिस स्टेशन

भूपत रबारी
ASI, LCB बड़ौदा जिला

बरियावास: यहां परेश कांतिलाल नाम का एक आदतन बूटलेगर विदेशी शराब का खुला धंधा चला रहा है।

सस्पेंड वहीवटदार की वापसी: 'पुलिस एडमिनिस्ट्रेटर खुद एक बड़ा बूटलेगर है!'

1. सस्पेंड हनुभा कामड़िया की दादागिरी: हनुभा कामड़िया नाम का एक कर्मचारी, जो पहले विदेशी शराब के एक गंभीर मामले में शामिल था, जेल गया था और सस्पेंड किया गया था, उसे कर्जन के एक ताकतवर नेता के कहने पर कर्जन पुलिस स्टेशन में फिर से तैनात किया गया है। सूत्रों के चौंकाने वाले खुलासे के मुताबिक, करजण सब-जेल या तालुका में कहीं से भी पकड़ी गई अंग्रेजी शराब को जब्त करने के बजाय, हनुभा उसे अवैध शराब बेचने वालों को बेचकर लाखों रुपये कमाता है।

2. LCB ASI भूपत रबारी का असर: आरोप हैं कि डभोई बीट में तैनात ASI भूपत रबारी, जो पूरे जिले की LCB का एडमिनिस्ट्रेशन चला रहे हैं, उनके पास जिला पुलिस चीफ से भी ज़्यादा पावर और असर है।

3. 99 गांव और करोड़ों का काला धन: करजण तालुका के 99 गांवों से हर गांव से 1 से 1.5 लाख रुपये की किस्त भी मानें तो भी हर महीने करोड़ों रुपये का काला धन इकट्ठा करके बड़े अधिकारियों तक पहुंचाया जाता है। इसके अलावा, ताकतवर नेताओं को तोहफे के तौर पर महंगी विदेशी शराब की बोतलें पहुंचाई जाती हैं। राज्य के गृह मंत्री अक्सर शराब और गैर-कानूनी कामों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' वाले भाषण देते रहते हैं। लेकिन करजण के इन नज़ारों को देखकर लगता है कि खाकी और पॉलिटिकल कंगन पहने करप्ट नेता सीधे होम मिनिस्टर के ऑर्डर को रौंद रहे हैं। शराब और जुए में युवा बर्बाद हो रहे हैं और वहीवटदार मलाई खाने में बिज़ी है।

जनता का गुस्सा और चेतावनी

जब रक्षक ही खाने वाले बन जाएं और पुलिस ही शराब तस्कर बन जाए, तो हम किससे इंसाफ़ की उम्मीद कर सकते हैं? लोकल जनता में गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। 'महानगर मेट्रो' चेतावनी देता है कि अगर तुरंत रेड मारकर इन भ्रष्ट हड़पने वालों और शराब तस्करों के खिलाफ़ सख़्त कार्रवाई नहीं की गई, तो करजण की गुस्साई जनता सड़कों पर उतरकर इस काली जंजीर को तोड़ देगी।

'महानगर मेट्रो' के 5 जानलेवा सवाल - अगर वहीवटदार में हिम्मत है तो जवाब दे:

1. जो कर्मचारी शराब के केस में जेल जा चुका है, उसे किस आका के कहने पर दोबारा करजण में सेट किया गया?

2. थाने से सिर्फ़ 2 km दूर चल रही शराब की फैक्ट्रियां डिस्ट्रिक्ट SP या LCB PI को क्यों नहीं दिखतीं? क्या किश्त का हिस्सा उन तक पहुंचता है?

3. हनुभा कामड़िया जो शराब तस्करों को बेचता है, उसके खिलाफ केस कब दर्ज करके उसे जेल में डाला जाएगा?

4. क्या यह सच है कि डभोई बिट का ASI भूपत रबारी पूरे डिस्ट्रिक्ट की LCB चलाता है? 5. अगर करजण में शराब और जुए की वजह से कोई परिवार बर्बाद होता है या मर्डर जैसा कोई जुर्म होता है, तो इसकी ज़िम्मेदारी किसकी है? SP, LCB PI या लोकल MLA की?

जेतपुर में ऑर्गेनिक खेती के प्रोडक्ट्स की बिक्री के लिए एक खास स्टॉल का उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। लोगों को केमिकल-फ्री, पौष्टिक और शुद्ध ऑर्गेनिक खेती के प्रोडक्ट्स आसानी से मिलें और नेचुरल खेती करने वाले किसानों को उनके प्रोडक्ट्स के लिए सही मार्केट मिले, इस नेक मकसद से आज जेतपुर मार्केटिंग यार्ड में ऑर्गेनिक खेती के प्रोडक्ट्स की बिक्री के लिए एक खास स्टॉल का उद्घाटन किया गया। इस प्रोग्राम में मार्केटिंग यार्ड के अधिकारी, गुजरात नेचुरल एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बोर्ड, राजकोट के अधिकारी, नेचुरल खेती करने वाले किसान और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे, प्रोग्राम के दौरान मौजूद गणमान्य लोगों ने कहा कि आज के समय में हेल्थ के प्रति लोगों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है। खेती में केमिकल फर्टिलाइजर और पेस्टिसाइड के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो रही हैं। ऐसे समय में नेचुरल और ऑर्गेनिक खेती से मिलने वाले प्रोडक्ट्स लोगों के लिए एक सुरक्षित और हेल्दी ऑप्शन बन रहे हैं। इसी मकसद को ध्यान में रखते हुए, यह खास स्टॉल शुरू किया गया है ताकि किसानों द्वारा बनाए गए नेचुरल खेती के प्रोडक्ट्स सीधे कंज्यूमर्स तक पहुंचें। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल से किसानों और कंज्यूमर्स के बीच सीधा कॉन्टैक्ट बढ़ेगा। बिचौलियों की भूमिका कम होने से किसानों को उनकी मेहनत का सही मुआवज़ा मिलेगा, जबकि कस्टमर्स को सही दाम पर अच्छी क्वालिटी वाले और केमिकल-फ्री प्रोडक्ट मिल सकेंगे। इस व्यवस्था से किसानों की इनकम बढ़ेगी और ज़्यादा किसान नेचुरल खेती की ओर मोटिवेट होंगे। इस स्टॉल पर लोकल किसानों द्वारा उगाए गए अलग-अलग तरह के अनाज, दालें, सब्जियां, फल, मसाले, अलग-अलग तरह की दालें, गुड़ और दूसरे ऑर्गेनिक प्रोडक्ट मिलेंगे। जिससे शहर के लोग रोज़ाना इस्तेमाल की ज़रूरी चीज़ें एक ही जगह पर भरोसे के साथ खरीद सकेंगे। गुजरात सरकार की तरफ से नेचुरल खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। गुजरात नेचुरल एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बोर्ड किसानों को ट्रेनिंग, गाइडेंस और बढ़ावा दे रहा है, जिसके चलते ज़िले में नेचुरल खेती का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इस स्टॉल को भी सरकार की कोशिशों में एक अहम कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। कार्यक्रम के आखिर में, मौजूद लोगों ने नागरिकों से ज़्यादा ऑर्गेनिक और नेचुरल खेती के प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की अपील की। ??उन्होंने किसानों को नेचुरल खेती अपनाने के लिए भी मोटिवेट किया ताकि ज़्यादा अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्ट बनाकर सीधे कस्टमर्स तक पहुंचा सकें। जेतपुर में शुरू की गई इस पहल को किसानों और नागरिकों दोनों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। उम्मीद थी कि यह स्टॉल एक हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देगा, स्थानीय किसानों को आर्थिक रूप से ज़्यादा मज़बूत बनने का मौका देगा और नेचुरल खेती को एक नई दिशा देगा।

अहमदाबाद: सहरा में 2 फर्जी फर्म म्यूल बैंक अकाउंट मामले में तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्टेट साइबर क्राइम ने चीनी गैंग के 2.86 करोड़ रुपये के फ्रॉड के आरोप में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आश्रम रोड और ष्टञ्जरू के पास डमी कंपनियों के नाम पर बैंक अकाउंट खोले गए थे, और 18 राज्यों में किए गए फ्रॉड का पैसा उनमें जमा किया गया था। पुलिस ने आगे की जांच के लिए निकुंज पटेल, दीक्षित पटेल और सुमित सोनी को हिरासत में लिया है। अहमदाबाद के आश्रम रोड और ष्टञ्जरू इलाके में डमी कंपनियों के नाम पर बैंक अकाउंट खोलने और चीनी गैंग के फ्रॉड का पैसा हड़पने के जुर्म में स्टेट साइबर क्राइम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। स्टेट साइबर क्राइम को जानकारी मिली थी कि अहमदाबाद में कुछ बैंक अकाउंट से 2.86 करोड़ रुपये का गबन किया गया है। जिसमें 18 राज्यों में फ्रॉड के अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके आधार पर पुलिस ने टेक्निकल एनालिसिस और बैंक अकाउंट्स को एनालाइज़ करने के बाद पाया कि दोनों पार्टनर्स ने दो नकली फर्म बनाई थीं। जिसमें आश्रम रोड पर ऑक्सफ़ोर्ड एवेन्यू पर ट्रैवल्सफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और ष्टञ्जरूके पास ट्रैवोक्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड नाम से बोगस कंपनियां खोली गईं और उनके नाम पर अकाउंट खोले गए। इस मामले में पुलिस ने अहमदाबाद के रहने वाले निकुंज पटेल, दीक्षित पटेल और सुमित सोनी को गिरफ्तार किया है। फर्म के नाम पर खोले गए बैंक अकाउंट्स के साथ ही आरोपियों ने बड़ी संख्या में सिम कार्ड भी खरीदे थे। इन बैंक अकाउंट्स में जमा पैसे को लियो पेमेंट से रिसीव करके दूसरी जगहों पर ट्रांसफर किया गया था। पुलिस ने इस बारे में आगे की जांच शुरू कर दी है।

देवगढ़ बारिया में 28 जुलाई को लोकल छुट्टी घोषित, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने नगर निगम उपचुनाव को लेकर आदेश दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया। नगर निगम के उपचुनाव को देखते हुए डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने 28 जुलाई, मंगलवार को देवगढ़ बारिया नगर निगम इलाके के लिए लोकल छुट्टी घोषित की है। जारी किए गए आदेश के मुताबिक, वोटिंग के दिन सरकारी ऑफिस, स्कूल, कॉलेज और दूसरे सरकारी संस्थान बंद रहेंगे। लोकल छुट्टी घोषित करने का फैसला इसलिए लिया गया ताकि वोटरों को बिना किसी मुश्किल के अपने वोट डालने का मौका मिले और ज़्यादा से ज़्यादा लोग लोकतंत्र के इस महान त्योहार में अपनी हिस्सेदारी दर्ज करा सकें। डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन एडमिनिस्ट्रेशन ने सभी वोटरों से अपील की है कि वे 28 जुलाई को अपने पोलिंग स्टेशन पर पहुंचकर बिना डरे और बिना भेदभाव के वोट दें ताकि लोकतंत्र मजबूत हो सके।

हिम्मतनगर नेशनल हाईवे 48 पर कार और बाइक के बीच गंभीर एक्सीडेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। रसूलपुर के पास कार-बाइक एक्सीडेंट में एक की मौत, दो घायलसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत, घायलों को हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। साबरकांठा जिले के प्रांतिज तालुक में रसूलपुर के पास अहमदाबाद-हिम्मतनगर नेशनल हाईवे-48 पर एक कार और बाइक के बीच गंभीर एक्सीडेंट हो गया। इस एक्सीडेंट में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार एक महिला और कार ड्राइवर समेत दो लोग घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, प्रांतिज से हिम्मतनगर जा रही रजिस्ट्रेशन नंबर GJ®~BN8004 वाली कार ने सामने से आ रही रजिस्ट्रेशन नंबर 5802 वाली बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि बाइक सवार भिलोड़ा निवासी वैभवकुमार रमेशभाई निनामा की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में बाइक के पीछे बैठी महिला को गंभीर चोटें आईं। इसके अलावा, कार ड्राइवर भी घायल हो गया। हादसे के बाद कार ड्राइवर का स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खो गया और कार सड़क के बीच में डिवाइडर के ऊपर जा गिरी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और 108 इमरजेंसी सर्विस को सूचना दी। प्रांतिज और हिम्मतनगर की 108 एम्बुलेंस टीम तुरंत पहुंच गई। मृतक बाइकर के शव को प्रांतिज सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जबकि घायल महिला और कार ड्राइवर को इलाज के लिए हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। हादसे की सूचना मिलने पर प्रांतिज पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रैफिक नॉर्मल कर दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त न्यूज

विकल्प 35 से ज्यादा मामलों में शामिल कुख्यात तस्कर नरेश रावल गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने कक्षा 9 से 12 तक के सरकारी स्कूलों के शिक्षण सहायकों और सहायक शिक्षकों की तबादला नीति में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए नियमों के तहत जिला विभाजन से प्रभावित शिक्षकों को एक बार अपने मूल या नवगठित जिले में स्थानांतरण का विकल्प मिलेगा। शिक्षा विभाग पहले रिक्त पदों की सूची जारी करेगा, जिसके बाद शिक्षकों को अनिवार्य रूप से विकल्प फॉर्म भरना होगा। सरकार ने तबादला प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने का भी निर्णय लिया है, जिससे जिला विभाजन के बाद उत्पन्न प्रशासनिक समस्याओं का समाधान हो सके।

कनाडा स्टूडेंट वीजा के नाम पर 24.92 लाख की ठगी, महिला एजेंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे दहेगाम के पालैया गांव के 26 वर्षीय युवक से कनाडा स्टूडेंट वीजा दिलाने के नाम पर 24.92 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि बोपल स्थित एक कंसल्टेंसी की महिला एजेंट ने फर्जी ऑफर लेटर, बैंक दस्तावेज और स्टांप पेपर पर शपथपत्र देकर युवक का भरोसा जीत लिया। बाद में जांच करने पर पता चला कि न तो कनाडा की बैंक में कोई खाता था और न ही संबंधित विश्वविद्यालय में प्रवेश हुआ था। पीड़ित ने कई बार अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन केवल आश्वासन मिलता रहा। आखिरकार रकम वापस नहीं मिलने पर युवक ने दहेगाम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

दक्षिण गुजरात में भारी बारिश पर सीएम एक्शन मोड में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश और कई जिलों में रेड अलर्ट की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एक्शन मोड में आ गए हैं। मुख्यमंत्री गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर पहुंचकर सूरत, नवसारी, वलसाड सहित प्रभावित जिलों की स्थिति और राहत कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा करेंगे। इस दौरान वे जिला कलेक्टरों से सीधे संवाद कर जमीनी हालात की जानकारी भी लेंगे। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए हैं, जबकि वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों और प्रभारी सचिवों को भी रेड अलर्ट वाले जिलों में तत्काल पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने पूरे प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखते हुए हालात पर लगातार नजर बनाए रखी है।

गांधीनगर में मानसून सुस्त, अब तक केवल 16.42% बारिश; अगस्त से बढ़ी अच्छी वर्षा की उम्मीद

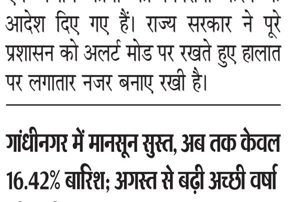

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पिछले दो वर्षों की तुलना में इस बार गांधीनगर जिले में मानसून काफी कमजोर रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अब तक जिले में सामान्य सीजन की केवल 16.42 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई है, जो पिछले वर्षों के मुकाबले 35 प्रतिशत से अधिक कम है। जिले के चारों तालुकों में कलोल में सबसे अधिक 144 मिमी, जबकि गांधीनगर तालुका में सबसे कम 105 मिमी वर्षा हुई है। पिछले 24 घंटों में भी केवल हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

डभोई, मेघमाहेर में लंबे ब्रेक के बाद 84 mm, तीन इंच बारिश से किसानों में खुशी, लेकिन नगर पालिका के प्री-मानसून काम की पोल खुल गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका में लंबे ब्रेक के बाद आखिरकार मेघराजा ने मेहरबानी दिखाई और जमकर बारिश की। सुबह से ही आसमान में छाए काले बादलों के बीच सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे के बीच 84 द्वद्व (करीब तीन इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई है। आज की बारिश के साथ ही मौजूदा सीजन की कुल बारिश का आंकड़ा 279 द्वद्व (करीब 11 इंच) तक पहुंच गया है। किसानों में खुशी और नई उम्मीद बिखेरती यह बारिश उन किसानों के लिए संजीवनी साबित हुई है जो लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे थे। बीज का अंकुरण: बारिश के कारण खेतों में बोए गए महंगे बीजों के खराब होने की किसानों की चिंता दूर हो गई है। रोपाई का काम होगा तेज: फसल को नया जीवन मिलने से अब धान समेत दूसरी फसलों की रोपाई का काम तेजी से शुरू किया जा सकेगा। फिलहाल किसानों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। सिर्फ़ तीन इंच बारिश से नगर पालिका के काम पर सवाल उठने लगे है एक तरफ़ किसान बारिश से खुश हैं, तो दूसरी तरफ़ डभोई नगर पालिका के प्री-मॉनसून काम की हवा निकल गई है। सिर्फ़ तीन इंच की नॉर्मल बारिश ने शहर की मेन सड़कों और सोसाइटियों में पानी भरने की समस्या खड़ी कर दी है। पानी की सही निकासी न होने की वजह से कुछ सोसाइटियों और नगर पालिका के अपने शॉपिंग सेंटर में भी पानी भरने की दिक्कत हो रही है। मेन सड़कों और सोसाइटियों में पानी भरा: बारिश के पानी की सही निकासी न होने की वजह से मेन सड़कों पर पानी भर गया है और कुछ सोसाइटियों की गलियों में पानी घुस गया है, जिससे लोकल लोगों और गाड़ी चलाने वालों को भारी मुश्किल हो रही है। अगर सिर्फ़ तीन इंच बारिश में डभोई शहर का यह हाल है, तो आने वाले दिनों में मूसलाधार या भारी बारिश होने पर क्या होगा? क्या लोगों के घरों में पानी घुस जाएगा? नगर पालिका से सही प्लानिंग की मांग शहर के लोगों की मांग है कि नगर पालिका कोई खास और पक्की प्लानिंग करे ताकि सोसायटी एरिया और मेन सड़कों पर भर रहे पानी को जल्दी से निकाला जा सके। आम लोगों के घरों में पानी नहीं भरना चाहिए। अब देखना यह है कि लोगों की इस रिक्वेस्ट और परेशानी के बाद नगर निगम प्रशासन जल्द से जल्द सही इंतज़ाम करेगा या हालात ऐसे ही रहेंगे - यह तो वक्त ही बताएगा।

आनंदनगर आंगनवाड़ी से बच्चों के लिए सरकारी अनाज चोरी, टेडागर के खिलाफ पुलिस में शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद। आनंदनगर इलाके में गरीब बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए 24,565 के सरकारी अनाज का घोटाला सामने आया है। कृष्णधाम आंगनवाड़ी-06 की टेडागर मनीषाबेन मिस्त्री ने एक टेंपो में 37 बोरी अनाज बेचने की कोशिश की। वीडियो वायरल होने पर कंटेनर में धमाका हो गया और टेंपो ड्राइवर अनाज उतारकर भाग गया। मुख्य सेविका की शिकायत के बाद पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

गरीब बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले पौष्टिक अनाज को बेचने का एक और घोटाला सामने आया है। अहमदाबाद के आनंदनगर इलाके की एक आंगनवाड़ी से ?24,565 का सरकारी अनाज बेचने की कोशिश करने वाली टेडागर की एक महिला के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद हंगामा मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 19 जुलाई रविवार दोपहर को कृष्णधाम आंगनवाड़ी-06 की टेडागर मनीषाबेन मिस्त्री (निवासी वेजलपुर) सेंटर पर आईं और अनाज चुरा

लिया। उन्होंने कृष्णधाम-06 और 01 से बालशक्ति के 16 बैग, मातृशक्ति के 6 बैग और पूर्णशक्ति के 15 बैग, कुल 37 बैग (कीमत 24,565 रुपये) एक अनजान टेंपो में बेचने के लिए भेजे थे। लेकिन, पूरा मामला तब खुला जब किसी अनजान व्यक्ति ने इस गड़बड़ी का वीडियो बना लिया। वीडियो बनते ही टेंपो ड्राइवर डर गया और सारा सामान वापस आंगनवाड़ी में उतारकर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही सरखेज-01 की सुपरवाइजर और हेड नर्स रचनाबेन वसंतभाई पटेल, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर और प्रोग्राम ऑफिसर की टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच की।

वडाज-नारनपुरा में एक रिश्तेदार पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ मारपीट की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वडाज-नारनपुरा इलाके में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जिसने पिता-बेटी के पवित्र रिश्ते को कलंकित किया है और इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। मां ने हिम्मत दिखाते हुए रात के अंधेरे में अपनी नाबालिग बेटी के साथ मारपीट करने वाले कलियुगी पिता के खिलाफ लोकल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जैसे ही पुलिस को घटना की सूचना मिली, आरोपी पिता घर छोड़कर भाग गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, वडाज-नारनपुरा इलाके में रहने वाले एक परिवार का घर छोटा होने की वजह से सभी सदस्य एक ही कमरे में सोते थे। एक बेटी अपने पिता के साये में खुद को सबसे सुरक्षित समझती है, लेकिन रात में परिवार के सभी सदस्यों के सो जाने के बाद पिता अपनी ही नाबालिग बेटी के पास जाकर गंदे इशारे करता था और मारपीट करता था। शुरू में बेटी को इन हरकतों का पता नहीं था। बेटी की कहानी सुनकर मां हैरान रह गई हालांकि, पिता के शक भरे बर्ताव पर ध्यान देने के बाद उसे यकीन हो गया कि पिता उसके साथ गलत बर्ताव कर रहा है। इस घटना से डरी हुई बेटी गायब रहने लगी। सुबह जब उसके पिता अपना काम खत्म करके काम पर चले गए, तो बेटी ने डरते हुए अपनी मां को पूरी घटना बताई। बेटी की कहानी सुनकर हैरान मां ने इस बारे में अपनी सास और परिवार के दूसरे लोगों से बात की। जब मां ने अपने पति को फोन करके पूछा, तो उसने यह कहकर बात घुमाने की कोशिश की कि 'शायद उसने गलती से उसे छू लिया हो'। जब पति के जवाब से उसका शक पक्का हो गया, तो मां ने अपनी बेटी की सुरक्षा और इंसाफ के लिए लोकल पुलिस स्टेशन में अपने ही पति के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई। जैसे ही पता चला कि पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हो गई है, आरोपी पिता ने अपना फोन बंद कर दिया और फरार हो गया। लोकल पुलिस ने घटना के संबंध में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और फरार पिता को पकड़ने के लिए तलाश कर रही है।

दभोई सेवा सदन के गार्डन में खुले बिजली के तार, मानसून में 'मौत को खुला न्योता'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। जिस ऑफिस से पूरे तालुका का एडमिनिस्ट्रेशन होता है, वहां बड़ी लापरवाही, अगर कोई हादसा हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा? दभोई में मौजूद सेवा सदन ऑफिस के कैंपस में बना गार्डन, जहां से पूरे दभोई तालुका के लोगों के लिए ज़रूरी एडमिनिस्ट्रेशन होता है, हाल ही में बड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही का सेंटर बन गया है। सेवा सदन के गार्डन में लाइट के इलेक्ट्रिकल बॉक्स खुले पड़े दिखते हैं, जिससे मानसून के मौसम में कोई बड़ा हादसा होने का डर बना रहता है। हर दिन हज़ारों एप्लीकेंट्स की जान खतरे में रहती है। दभोई सेवा सदन में हर दिन तालुका भर से हज़ारों लोग अलग-अलग सरकारी कामों जैसे इनकम प्रूफ़ 7/12 और 8ꤊ, राशन कार्ड से जुड़े काम, स्टैम्प पेपर और नोटरी के काम और ज़रूरी ऑफिसों के लिए आते हैं। दूर-दूर से आने वाले एप्लीकेंट्स और उनके छोटे बच्चे काम के दौरान ऑफिस के गार्डन में बैठते हैं। लेकिन जब से गार्डन में लाइट के इलेक्ट्रिकल बॉक्स खुले हैं और उनमें से बिजली के तार लटक रहे हैं, ऐसी भयानक स्थिति बन गई है जैसे 'मौत को खुला न्योता' दिया जा रहा हो। मॉनसून के मौसम में करंट लगने का बड़ा खतरा रहता है। अभी बादलों के बीच मॉनसून का मौसम चल रहा है। बारिश से, खुले इलेक्ट्रिकल बॉक्स और तारों में पानी घुसने से, पूरे गार्डन

या आस-पास के लोहे के खंभों में करंट लगने की पूरी संभावना है। अगर कोई मासूम नागरिक या खेलता हुआ बच्चा गलती से इन खुले तारों को छू ले, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। दीया तले अंधेरा!' जिस ऑफिस से पूरा तालुका सिस्टम चलता है, वहां अधिकारियों की आंखों के सामने मौत जैसे तार खुले लटके हुए हैं। अगर यहां कोई अनहोनी होती है या किसी की जान चली जाती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा, सेवा सदन सिस्टम या बिजली कंपनी? तुरंत सुधार की मांग इस मामले में स्थानीय नागरिकों और याचिकाकर्ताओं में बहुत गुस्सा है। लोगों की मांग है कि कोई भी बड़ी आपदा आने से पहले, डभोई सेवा सदन सिस्टम इन खुले इलेक्ट्रिकल तारों और बॉक्स को ठीक से बंद करने और सुरक्षित करने के लिए तुरंत कदम उठाए।

LCB ने पड्धरी के तरघड़ी गांव में जुए के अड्डे पर छापा मारा: 6 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रूरल पुलिस एरिया में गैर-कानूनी कामों को खत्म करने की मुहिम के तहत, लोकल क्राइम ब्रांच ने पडधरी पुलिस स्टेशन एरिया के तरघड़ी गांव के बाहरी इलाके में चल रहे जुए के अड्डे पर सफलतापूर्वक छापा मारा। पुलिस टीम ने कुल 6 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा, उनके पास से 6,36,600 रुपये कैश और एक गाड़ी ज़ब्त की और कानूनी कार्रवाई की। यह ऑपरेशन L.C.B. ब्रांच के स्टाफ को पेट्रोलिंग के दौरान मिली खास बातों के आधार पर किया गया। पडधरी तालुका के तरघड़ी गांव के बाहरी इलाके में केशरधानी होटल के पीछे, गोल्डन एंकर सोसाइटी के प्लॉट नंबर 31 के एक घर में यह जुए का अड्डा चल रहा था। पुलिस ने इस कमरे में छापा मारा और 6 लोगों को ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में मकान मालिक गिरीशभाई कांजीभाई फड्डू और मनसुखभाई हीराभाई वोरा, नीलेशभाई

मणिलाल पटडिया, नितिनभाई गोविंदभाई रमानी, नरेशभाई बाबूभाई गढ़िया, निकुंजभाई बावलाल परसाना, सभी राजकोट निवासी शामिल हैं। पुलिस छापे के दौरान, मौके से निम्नलिखित वस्तुएं जब्त की गईं: नकद 2,46,100 रुपये, 90,500 रुपये के 7 मोबाइल फोन, 4,00,000 रुपये की एक ब्रेज़ा चार पहिया कार, जिसमें गंजीपता शीट और मैट शामिल हैं, कुल 6,36,600 रुपये। इस मामले में गिरफ्तार सभी 6 आरोपियों के खिलाफ पडधारी पुलिस स्टेशन में जुआ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। छत्रपालसिंह जडेजा और भावेशभाई मकवाना, मिरलभाई चंद्रवाडिया ने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष- डॉ. नीरेंद्र साहू के अभिनंदन व आभार कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव. छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ रायपुर के नवगठित अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के 'प्रदेश महामंत्री' शंकर साहू के नेतृत्व मे डॉ. नीरेन्द्र साहू अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ रायपुर का 'अभिनंदन-आभार कार्यक्रम' विश्राम गृह- डोंगरगांव, जिला-राजनांदगांव मे रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि- डॉ. नीरेन्द्र साहू ने सर्वप्रथम शंकर साहू को कर्मचारी-अधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री के नवीन दायित्व के लिए बधाई व शुभकामनाएं प्रदान किया व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के कार्यक्रम, क्रियान्वयन, कार्यशाला, कर्तव्यनिष्ठा पर विस्तार से चर्चा किया व समाज के सभी सदस्यों से समयदान का अपील किया। कर्मचारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री- शंकर साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हैं कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष- डॉक्टर नीरेंद्र साहू जी के द्वारा जो महती जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है उसके लिए अभिनंदन व धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि मैं अपने पद की गरिमा के अनुरूप समाज के कार्यों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाऊंगा। मेरा मुख्य उद्देश्य साहू समाज को शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण, आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और जरूरतमंदों की मदद करने के अपने मूल आदर्शों के साथ आगे बढ़ाने हेतु निरंतर कार्य करता रहूंगा। हम सब एकजुट होकर प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन मे संगठन के मजबूती, समाज के विकास व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु प्रदेश अध्यक्ष- डॉ. नीरेंद्र साहू को आश्वस्त किया। प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन, स्वागत व आभार कार्यक्रम में मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिला, राजनांदगांव जिला, बालोद जिला व दुर्ग जिला के साहू समाज के साथीगण प्रमुख रूप से नूतन साहू जिला संयोजक युवा प्रकोष्ठ, भजन साहू, रमेश कुमार साहू, परमेश्वर साहू, नरेंद्र साहू, नागेश साहू, द्वारिका साहू, ईश्वर साहू, प्रेमकिशन साहू, नरेश साहू, मितेन्द्र कुमार बघेल, संतोष कुमार आदि साथीगण उपस्थित थे।

शंकर साहू को 'प्रदेश महामंत्री' बनाए जाने पर साहू समाज में हर्ष की लहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालोद। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष- डॉक्टर नीरेंद्र साहू की अनुशंसा पर संगठनात्मक विस्तार करते हुए कर्मचारी -अधिकारी प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ में शंकर साहू को 'प्रदेश महामंत्री' के पद पर नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री- शंकर साहू पूर्व से ही समाज के विकास, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के कार्यों में सक्रिय रूप से अपना योगदान देते रहे हैं। शंकर साहू प्रदेश महामंत्री ने इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया गया है मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ उसका निर्वहन करुंगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के मार्गदर्शन में कर्मचारी अधिकारी-प्रकोष्ठ सशक्त होगा और शिक्षा तथा जनसेवा के कार्यों में निरंतर प्रगति करेगा। शंकर साहू को कर्मचारी अधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री का दायित्व मिलने पर बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करने वालों में प्रमुख रूप से महेंद्र साहू जिला अध्यक्ष जिला साहू संघ बालोद, श्रीमती प्रतिभा चौधरी अध्यक्ष नगरपालिका परिषद बालोद, तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगरपालिका परिषद दल्ली राजहरा, सूरज गोपाल गंगबेर जिला संयोजक कर्मचारी-अधिकारी प्रकोष्ठ बालोद, दिलीप साहू, शीतल साहू, गोविंद साहू, युवराज साहू, राजेश साहू, धनराज साहू, नंदकिशोर साहू, श्रीमती संगीता साहू, केशव राम साहू, शैलेंद्र कुमार साहू, राजकुमार साहू, पवन साहू, नूतन साहू, दिनेश साहू,

हेमंत साहू, खेमंत साहू, चंद्रकांत साहू, युवराज साहू, जगत राम साहू, मक्खन साहू, घनश्याम साहू आदि प्रमुख रूप से शामिल है। उपरोक्त जानकारी मीडिया में शंकर साहू प्रदेश महामंत्री कर्मचारी-अधिकारी प्रकोष्ठ ने दिया है।

आज का राशिफल

24 जुलाई 2026, शुक्रवार

ग्रहों की चाल आपके जीवन को कैसे प्रभावित करेगी, जानें अपना आज का भविष्यफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा सोच-समझकर करें।

वृषभ रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अनावश्यक खर्च से बचें।

मिथुन नए अवसर मिल सकते हैं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। धैर्य बनाए रखें।

कर्क आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

सिंह मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कन्या आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

तुला व्यापार में लाभ के योग हैं। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा शुभ रहेगी।

वृश्चिक पुराने विवाद समाप्त होने के संकेत हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। वाहन सावधानी से चलाएं।

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और करियर में प्रगति होगी। नए लोगों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

मकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दिन शुभ है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। तनाव से दूर रहें।

कुंभ रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

मीन धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। करियर में नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

आज का उपाय

भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की पूजा करें, "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का 108 बार जप करें तथा जरूरतमंद को पीले फल या अन्न का दान करें। शुक्रवार होने से मां लक्ष्मी की आराधना विशेष शुभ फलदायी रहेगी।

आपका दिन मंगलमय हो!

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्र: क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य

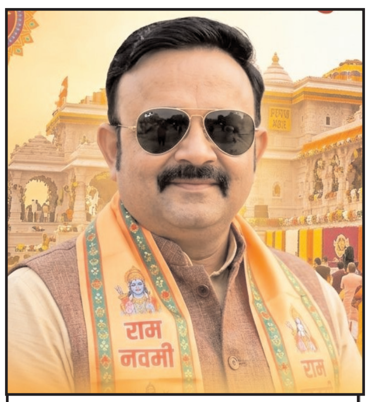

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है।

कोयले नहीं, अब हरित ऊर्जा से रोशन हो भारत... थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है।

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है।

वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए।

माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

संपादकीय

गहराता भूजल संकट

यह आंकड़ा डराने वाला है कि उत्तर भारत में भूजल का स्तर 450 घन किलोमीटर तक घट गया है। पिछले दो दशकों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में खेती व जीवनयापन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के ह्यविक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसरह्न के एक अध्ययन में बताया गया है कि दो दशक में भूजल में आयी यह कमी भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का 37 गुना है। दरअसल, भूजल में इस कमी की एक बड़ी वजह वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी बारिश में 8.5 फीसदी की कमी आना है। इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि उत्तर भारत में सर्दियों के तापमान में 0.3 सेल्सियस वृद्धि देखी गई है। इस बात की पुष्टि हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के एक दल ने की है। मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। वहीं पानी की मांग बढ़ने से भूजल पुनर्भरण में भी कमी आएगी। जिसका दबाव पहले से ही भूजल के संकट से जूझ रहे उत्तर भारत के इलाके पर पड़ेगा। हैदराबाद स्थित एनजीआरआई का अध्ययन चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जहां एक ओर मानसून के दौरान बारिश में कमी आएगी, वहीं सर्दियों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान रहने से भूजल पुनर्भरण में छह से 12 फीसदी तक की कमी आ सकती है। संकट का एक पहलू यह भी है कि हाल के वर्षों में मिट्टी में नमी में कमी देखी गई है। जिसका निष्कर्ष यह भी है कि आने वाले वर्षों में सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। निश्चित ही यह स्थिति हमारी खेती और खाद्य श्रृंखला की सुरक्षा के लिये चिंताजनक कही जा सकती है। वहीं दूसरी ओर शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि मानसून के दौरान बारिश के प्रतिशत में गिरावट तथा सर्दियों में तुलनात्मक रूप से मौसम के गर्म होने से फसलों की सिंचाई के लिये अधिक भूजल की जरूरत पड़ेगी। इसकी वजह यह भी है कि सर्दियों में तापमान अधिक होने से खेतों की मिट्टी तुलनात्मक रूप से शुष्क हो जाती है। यह कमी तभी पूरी हो सकती है जब हल्की बारिश की अवधि अधिक हो। देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि भूजल के स्तर को कैसे ऊंचा रखा जा सके। जहां एक ओर वर्षा जल संग्रहण को ग्रामीण व शहरी इलाकों में युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है, वहीं अधिक पानी वाली फसलों के चक्र में बदलाव लाने की भी आवश्यकता है। इस संकट के आलोक में खेतिहर वर्ग को मुफ्त बिजली-पानी की राजनीति पर पुनर्विचार की जरूरत भी है। भूजल की सहज व सस्ती उपलब्धता उसके अधिक उपयोग को प्रेरित करती है। कृषि वैज्ञानिकों को ऐसी फसलों के लिये अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा, जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बावजूद अधिक तापमान व कम पानी में अधिक उपज दे सकें। सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि 140 करोड़ लोगों के लिये खाद्यान्न उपलब्ध कराना उनका प्राथमिक दायित्व है। खाद्यान्न के उत्पादन में कमी

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

सड़क पर छात्र, बहरी सरकार और न्यायपालिका : फिर कैसा लोकतंत्र?

दिलीप कुमार पाठक

आज देश का युवा और छात्र वर्ग गहरे संकट में है। जब भी इतिहास में बड़े बदलाव हुए हैं, उनकी शुरूआत हमेशा कॉलेजों से ही हुई है। छात्र देश का भविष्य होते हैं, कोई अपराधी नहीं। लेकिन आज जब देश का छात्र अपनी पढ़ाई, परीक्षाओं में धांधली या रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। एक तरफ सरकार उनकी जायज मांगों को सुनने से मना कर देती है, तो दूसरी तरफ उन पर पुलिस की लाठियां और आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं। सरकार बातचीत के बजाय दमन का रास्ता चुन रही है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो जनता आखिर कहां जाए? एक सच्चे लोकतंत्र की खूबी यह होती है कि वहां विरोध प्रदर्शनों का सम्मान किया जाता है। सरकार का कर्तव्य है कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों को बुलाए, उनकी समस्याओं को समझे और मिलकर रास्ता निकाले। लेकिन मौजूदा समय में संवाद की जगह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। सत्ता में बैठे लोग इतने अहंकारी हो चुके हैं कि उन्हें जनता की आवाज सिर्फ एक शोर लगती है। जब युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन लिया जाए, तो लोकतंत्र का मूल ढांचा ही खतरे में पड़ जाता है। छात्रों पर झूठे मुकदमे दर्ज करना और उनके भविष्य को बर्बाद करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की पहचान नहीं हो सकती। जब कार्यपालिका यानी सरकार पूरी तरह बहरी और अंधी हो जाती है, तो देश का आम नागरिक न्याय की आखिरी उम्मीद लेकर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाता है। भारत में सुप्रीम कोर्ट को संविधान का रक्षक और जनता का सबसे बड़ा कवच माना गया है। हर पीड़ित व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि भले ही पूरी दुनिया उसका साथ छोड़ दे, लेकिन देश की सबसे बड़ी अदालत उसे न्याय जरूर देगी। लेकिन जब इसी अदालत से यह सुनने को मिले कि हमारे पास समय नहीं है या हम इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते और न ही वीडियो देख सकते हैं हमारा वक्त बर्बाद न करें, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। यह सिर्फ एक अदालती टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उस करोड़ों युवाओं की उम्मीदों पर बहुत गहरी चोट है जो दिन-रात मेहनत करके देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय के पास युवाओं पर हो रहे अत्याचारों को देखने का समय नहीं होगा, तो फिर इस देश में न्याय की क्या परिभाषा रह जाएगी? अदालतें तकनीकी कारणों का हवाला देकर इतने गंभीर और संवेदनशील मामलों से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं। जब सड़कों पर छात्रों का खून बह रहा हो और पुलिस बर्बरता के वीडियो सामने आ रहे हों, तब अदालत का यह कहना कि हमारे पास समय नहीं है, न्याय व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब सवाल यह उठता है कि अगर सरकारें दमन करेंगी और अदालतें व्यस्तता का बहाना बनाएंगी, तो फिर यह कैसा लोकतंत्र है? लोकतंत्र सिर्फ पांच साल में एक बार वोट देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र एक जीवित व्यवस्था है, जो हर दिन नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने से चलती है। अगर नागरिकों को अपनी बात कहने का हक नहीं है, और न्याय मांगने पर उन्हें सिर्फ निराशा मिलती है, तो यह लोकतंत्र केवल कागजों पर ही जिंदा रहेगा। ऐसी स्थिति देश को तानाशाही की तरफ धकेलती है। इस गंभीर संकट से निकलने का रास्ता संवाद ही है। सरकार को अपना अहंकार छोड़कर प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। इसके साथ ही, देश की अदालतों को भी अपनी प्राथमिकताओं को दोबारा तय करना होगा। देश के युवाओं के मानवाधिकारों की रक्षा करना सबसे ज्यादा जरूरी है। जब तक सरकार लाठियां चलाना बंद नहीं करेगी और अदालतें अपनी आंखें नहीं खोलेंगी, तब तक लोकतंत्र की आत्मा तड़पती रहेगी। हमें हर हाल में इस भरोसे को बचाना होगा, क्योंकि भरोसे के बिना कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सिक्किम हादसा: प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही?

सुनील कुमार महला

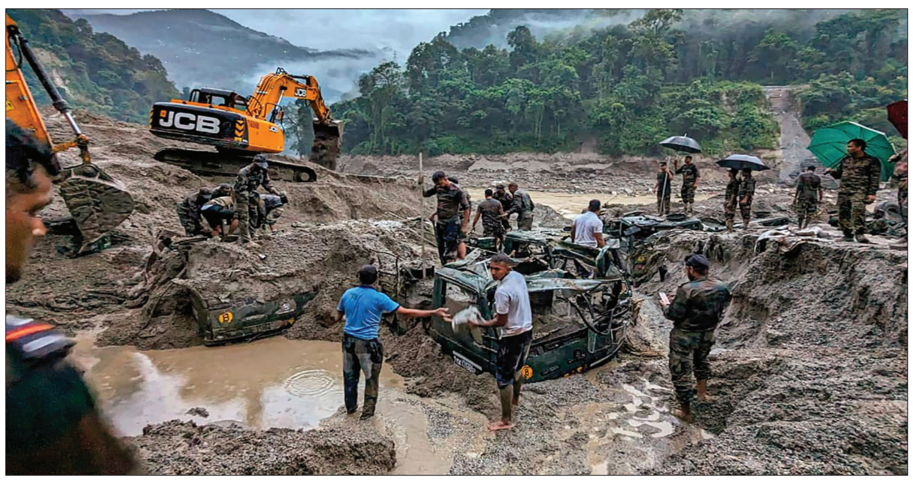

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-श्क जलविद्युत परियोजना के निमार्णाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निमार्णाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25झ्27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ,इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना गलत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए? इस दुर्घटना में जिन श्रमिकों की जान गई, उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या परियोजना से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी?

उक्त क्रम में, विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ों में लगातार निर्माण कार्य(विकास) और पेड़ों की कटाई से जमीन कमजोर हो रही है। इसलिए बारिश के समय भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में कई सुरंगें बन चुकी हैं और कई बन रही हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निर्माण शुरू करने से पहले पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सही आकलन किया जाए। यदि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन हो, तो कई बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण का ध्यान रखते हुए।

अंत में यही कहूंगा कि विकास मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन यदि यह प्रकृति की कीमत पर किया जाए तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं। अंधाधुंध निर्माण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरण असंतुलित होता है, जिससे भूस्खलन, बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसलिए विकास और प्रकृति को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो पर्यावरण संरक्षण और मानवीय प्रगति दोनों को साथ लेकर चलें। यही सतत एवं संतुलित विकास का मार्ग है। यदि हम ऐसा कर सके तो कोई दोराय नहीं कि हम पहाड़, प्रकृति और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकें।

तीन सगी बहनों ने एक ही युवक संग रचाई शादी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में तीन सगी बहनों सरोज, सावित्री और संतोष ने एक ही युवक के साथ शादी रचाकर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. पेशे से किसान रमेश की इन तीनों बेटियों ने चामुंडा मंदिर की हवन वेदी में अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लिए, मांग में सिंदूर भरवाया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया. अचानक बीते बुधवार को अपलोड हुए इस वीडियो के बाद चारों ने एक और रील बनाकर इस शादी के रियल होने की पुष्टि भी कर दी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर विवाद गहरा गया. पूरा मामला हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के धोरिया गांव का है.

चेयरमैन की मौजूदगी और मंदिर का इनकार

हैरानी की बात यह है कि इस शादी के वीडियो में हसनपुर नगर पालिका के बीजेपी चेयरमैन भी इन तीनों बहनों के साथ दिख रहे हैं. इसके अलावा कुछ अन्य महिलाएं भी रील में नजर आ रही हैं. वहीं दूसरी ओर, चामुंडा मंदिर के पुजारियों ने परिसर में ऐसी किसी भी शादी के आयोजन से साफ इनकार किया है. इस पूरे कृत्य के सामने आने के बाद हिंदू संगठनों में गहरा उबाल देखने को मिल रहा है. सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई. कुछ लोग इस शादी के समर्थन में दिखे तो वहीं बड़ी संख्या में फॉलोअर्स का गुस्सा फूट पड़ा. फॉलोअर्स ने चेयरमैन की मौजूदगी पर भी सवाल उठाए. शादी करने वाली तीनों बहनों ने वीडियो में अपनी खुशी जताई है, लेकिन विवाद बढ़ता देख तीनों बहनें और युवक फिलहाल मीडिया के सामने आने से बच रहे हैं. इन तीनों बहनों ने कुछ समय पहले ही इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अकाउंट बनाए थे. महज 27 वीडियो अपलोड करने के बाद ही उनके लाखों फॉलोअर्स हो चुके हैं.

10 चोरी के आरोप से आहत चौथी की छात्रा ने की खुदकुशी, टीचर पर पिटाई का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। यूपी के मुजफ्फरनगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. प्राथमिक विद्यालय में ?10 चोरी के आरोप और शिक्षक द्वारा पिटाई से क्षुब्ध होकर 10 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर विधिक कार्रवाई में जुटी है. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बुधवार को कक्षा चार की 10 वर्षीय छात्रा आयुषी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा पर स्कूल की शिक्षिका सविता ने बैग से ?10 चोरी करने का आरोप लगाया था. इसकी शिकायत मिलने पर शिक्षक राजीव ने स्कूल में छात्रा की पिटाई कर दी थी. इस घटना से क्षुब्ध होकर छात्रा ने घर पहुंचकर फांसी का फंदा लगा लिया. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और परिजनों की शिकायत पर आगे की कार्रवाई शुरू की. नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के पचेनडा कला गांव निवासी परिजनों का आरोप है कि शिक्षिका सविता ने छात्रा आयुषी पर ?10 चोरी का झूठा आरोप लगाया था. इसके बाद शिक्षक राजीव ने बिना जांचे-परखे स्कूल में छात्रा के साथ मारपीट की. इस अपमान और पिटाई से मासूम बच्ची बेहद आहत हो गई थी. घर लौटकर उसने इस खौफनाक कदम को अंजाम दे दिया, जिससे परिवार में कोहराम मच गया. घटना की जानकारी मिलते ही नई मंडी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित परिजनों की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

'गौमाता को मिले राष्ट्र माता का दर्जा लखनऊ में सपा का बड़ा कार्यक्रम, पूजा शुक्ला भरेंगी हुंकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गौमाता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग जोर पकड़ती दिख रही है. इस मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है. पार्टी की नेत्री और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग उठाई जाएगी. यह कार्यक्रम राजधानी लखनऊ के आशियाना स्थित कांशीराम स्थल पर आयोजित होगा. सपा का कहना है कि यह केवल एक सांकेतिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि इसके जरिए इस मांग को लेकर व्यापक जनसमर्थन जुटाने और आगे अभियान चलाने की रणनीति बनाई जाएगी. समाजवादी पार्टी की नेता पूजा शुक्ला लंबे समय से इस मुद्दे को उठा रही हैं. इससे पहले वह लखनऊ की उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में भी गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग कर चुकी हैं. उसे सिर्फ राजनीतिक बयान` जाय गौशालाओं की स्थिति सुधारने और इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए.

पन्ना में गीदड़ का शव खाते ही तड़पकर मरे 8 दुर्लभ गिद्ध, 4 लाल सिर, 2 सिनेरियस और 2 मिस्र प्रजाति के गिद्धों की मौत

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के पहाड़ीखेड़ा गांव में सियार का शव खाने से 8 दुर्लभ गिद्धों की संदिग्ध मौत हो गई। वन विभाग ने जहर (पॉइजनिंग) की आशंका जताते हुए विसरा जांच के लिए सागर और जबलपुर लैब्स भेजा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। टाइगर रिजर्व और आसपास के जंगलों में गिद्धों के संरक्षण की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। दक्षिण पन्ना वन मंडल से महज तीन किलोमीटर दूर पहाड़ीखेड़ा गांव के एक खेत में 8 दुर्लभ गिद्ध और एक सियार मृत पाए गए हैं। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि सियार का जहरीला शव खाने से इन गिद्धों की जान गई है। मृत पक्षियों में सबसे दुर्लभ माने जाने वाले 4 लाल सिर वाले, 2 सिनेरियस और 2 मिस्र प्रजाति के गिद्ध शामिल हैं। यह पूरी घटना जंगल की सीमा से बाहर राजस्व विभाग के दायरे में आने वाली जमीन पर हुई है। प्राथमिक जांच के मुताबिक, सियार की मौत करीब एक हफ्ते पहले हुई थी और उसका शव घनी झाड़ियों के बीच एक में पड़ा हुआ था, जिस पर किसी की नजर नहीं पड़ी। भोजन की तलाश में पहुंचे गिद्धों ने जैसे ही सियार के मांस का सेवन किया, उनकी भी मौत हो गई। हालांकि वन अधिकारियों का कहना है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि सियार की मौत किसी जहरीले पदार्थ को खाने से हुई या वजह कुछ और थी।

सागर और जबलपुर लैब भेजी गई विसरा सैंपल

पन्ना डीएफओ के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी शवों को कब्जे में लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सियार और आठों गिद्धों के विसरा सैंपल एकत्र कर फॉरेंसिक जांच के लिए सागर और जबलपुर की लैब में भेज दिए गए हैं। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि घटना चूंकि राजस्व क्षेत्र की है, इसलिए पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें हर एंगल से जांच कर रही हैं। लैब रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

घटना से जुड़ी मुख्य बातें

घटनास्थलः पहाड़ीखेड़ा गांव (दक्षिण पन्ना वन परिक्षेत्र से 3 किमी दूर, राजस्व क्षेत्र)।

मारे गए वन्यजीवः 8 गिद्ध (4 लाल सिर वाले, 2 सिनेरियस, 2 मिस्र प्रजाति) और 1 सियार।

यह घटना राजस्व क्षेत्र में हुई है। घटना के सभी संभावित पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक लैब रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों के सटीक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। एल. कृष्णमूर्ति, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी पन्ना का जंगल गिद्धों की विभिन्न प्रजातियों के प्राकृतिक आवास और सफल प्रजनन के लिए पूरे देश में जाना जाता है। बुंदेलखंड के खेतों में आवारा मवेशियों या जंगली जानवरों को मारने के लिए अक्सर फसल सुरक्षा या रंजिश में कीटनाशक का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सियार के शव में जहर होने की आशंका ने पन्ना के गिद्ध संरक्षण अभियानों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

साल भर पहले मिली बिजली, 200 खंभों से तार चोरी होने से फिर छाया अंधेरा, सापों के खौफ में लालटेन से कट रहीं रातें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का कोटि गांव पिछले एक महीने से मानो मध्यकाल के दौर में लौट गया है। चोर गांव के करीब 200 खंभों से बिजली के तार चुरा ले गए, जिसके बाद से पूरे गांव में अंधेरा पसरा हुआ है। मूसलाधार बारिश के इस मौसम में जहरीले सांपों और बिच्छुओं के डर से ग्रामीण रात-रात भर लालटेन और ढिबरी जलाकर रखवाली करने को मजबूर हैं। बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो कोटि गांव के बेबस ग्रामीण अपनी समस्या लेकर 80 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे।

ठप हुई पढ़ाई और खेती, मोबाइल चार्ज होना भी बंद

शहडोल जिले की जैतपुर विधानसभा के बुढ़ार जनपद अंतर्गत आने वाले कोटि गांव में 100 से अधिक परिवार रहते हैं। एक महीने से जारी ब्लैकआउट के कारण बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। किसान सिंचाई पंप नहीं चला पा रहे हैं, जिससे खेती का काम प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा पीने के पानी की व्यवस्था गड़बड़ा गई है और मोबाइल चार्ज न होने से गांव का संपर्क बाहर से कट गया है। सूरज ढलते ही गांव में सन्नाटा पसर जाता है। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है, क्योंकि रात में किसी बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना बेहद जोखिम भरा हो गया है।

प्रभावित क्षेत्रः कोटि गांव, कोटा ग्राम पंचायत (बुढ़ार जनपद, शहडोल)।

समस्या की वजहः करीब 200 पोल से बिजली के तारों की चोरी ।प्रभावित आबादी: 100 से ज्यादा परिवार पिछले 1 महीने से अंधेरे में।

ताजा स्थितिः ग्रामीणों ने 80 किमी दूर जाकर कलेक्टर से बिजली बहाली की मांग की। यह गांव जंगलों के काफी करीब है। यहां पिछले साल ही बिजली पहुंची थी। तार चोरी होने के बाद से लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। जंगलों से घिरे होने के कारण इस गांव में बारिश के दिनों में जहरीले जीवों का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। साल भर पहले ही गांव में रोशनी पहुंची थी, लेकिन चोरों की करतूत और प्रशासनिक ढिलाई ने ग्रामीणों को फिर से दीये और लालटेन के दौर में धकेल दिया है। ग्रामीणों को अब जल्द से जल्द नए तार बिछाकर बिजली सप्लाई बहाल होने का इंतजार है।

हैवान चाचा ने 3 साल तक मासूम भतीजियों से किया दुष्कर्म! पिता पर भी आरोप, मां ने दर्ज कराई FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं व मासूम बेटियों से जुड़े मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। बावजूद इसके उत्तर प्रदेश के अलग अलग जिलों से आए दिन महिलाओं से जुड़े आपराधिक मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी से जुड़ा एक हैरान कर देने वाला लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां एक ही परिवार की दो सगी नाबालिग बहनों ने अपने ही सगे चाचा पर लगातार पिछले 3 सालों से नशे की गोलियाँ देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में सबसे हैरान कर देने वाली एक और बात निकलकर सामने आई, जिसमें कहा गया है कि मासूम बच्चियों के पिता को इस घटना के बारे में सब कुछ पता होने के बावजूद उसने इस घिनौने अपराध को सभी से छिपाए रखा।

पीड़ित बहनें कक्षा 6 और 9 की छात्राएं

लखनऊ में नौकरी कर रही माँ को जब अपनी बेटियों की इस आपबीती का पता चला तो उन्होंने थाने पहुँचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मलिहाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मलिहाबाद थाने के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों पीड़ित बहनें कक्षा 6 और 9 की छात्राएं हैं और गाँव में अपने पिता के साथ रहती थीं, जबकि उन मासूम बेटियों की माँ लखनऊ में प्राइवेट नौकरी करती हैं। उन्होंने बताया कि मासूम बच्चियों का आरोपी सगा चाचा घर के पास ही एक प्राइवेट स्कूल चलाता है। मां की ओर से दी गई शिकायत के अनुसार, आरोपी चाचा पिछले 3 सालों से बच्चियों के खाने में नशे की दवाइयां मिलाकर उनके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दे रहा था। इतना ही नहीं, बीते 9 जून को जब आरोपी चाचा ने बड़ी बेटी के साथ एक बार फिर से हैवानियत की वारदात को अंजाम दिया तो पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर अपने पिता से शिकायत की लेकिन पिता ने अपनी बेटियों की पीड़ा को गंभीरता से लेने के बजाए पीड़ित बेटी को ही डांटकर चुप करा दिया और मामले को दबाए रखा शिकायत के बावजूद पिता के रवैये और चाचा की प्रताड़ना से परेशान होकर दोनों पीड़िताओं ने आखिरकार अपनी माँ को फोन पर पूरी घटना की जानकारी दी। बेटियों के साथ हुई इस हैवानियत की कहानी सुनकर माँ शहर से सीधे गाँव पहुँची और स्थानीय मलिहाबाद थाने में लिखित शिकायत देकर कर्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़िता की माँ की तहरीर पर आरोपी स्कूल संचालक चाचा के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मलिहाबाद थाने के इंस्पेक्टर का कहना है कि इस प्रकरण में जल निगम में कार्यरत पीड़िताओं के पिता के खिलाफ भी अपराध में सहयोग करने की धारा में केस दर्ज किया गया है।

'मम्मी तुम कब आओगी', 3 बच्चों की मां हुई लापता! पत्नी की तलाश में बच्चों संग धरने पर बैठा पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौन। जालौन जिले के उरई कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति ने तीन माह तक पुलिस प्रशासन के चक्कर काटने के बाद जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। पीड़ित अपने तीन मासूम बच्चों के साथ न्याय की गुहार लगा रहा है और पत्नी को सकुशल बरामद कराने की मांग कर रहा है। जानकारी के अनुसार उरई कोतवाली क्षेत्र के चौरसी मोड़ (रहिया) गांव निवासी ऋषि राज मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उसका कहना है कि उसकी 32 वर्षीय पत्नी अनीता उर्फ ममता बीते 11 अप्रैल से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। पत्नी के अचानक गायब होने के बाद उसने रिश्तेदारों, परिचितों और कई स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

कई बार लगाए थाने के चक्कर

पीड़ित का आरोप है कि उसने घटना की सूचना पुलिस को दी और कई बार थाने के चक्कर लगाए, लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस उसकी पत्नी का पता लगाने में सफल नहीं हुई। उसका कहना है कि उसे केवल आश्वासन मिलते रहे, जबकि अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित का आरोप दूसरे युवक के संपर्क में है पत्नी

ऋषि राज ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी का आटा क्षेत्र निवासी अभिषेक नामक युवक से संपर्क था। उसने इस संबंध में भी पुलिस को जानकारी दी, लेकिन उसके बावजूद मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसका कहना है कि यदि पुलिस समय रहते गंभीरता से जांच करती तो उसकी पत्नी का पता लगाया जा सकता था।

तीनों मासूम बच्चे अपनी मां को याद अक्सर रोते है

पत्नी के लापता होने से परिवार पूरी तरह बिखर गया है। तीनों मासूम बच्चे हिमांशु (12) पायल (10) अजय (7) अपनी मां को याद कर अक्सर रोते हैं। मजदूरी करने के साथ बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी भी अकेले ऋषि राज पर आ गई है। आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव के बीच वह लगातार पत्नी की तलाश में भटक रहा है।

मैं चीफ कम्प्लेंट ऑफिसर बन गया हूं, बेहद सख्त हैं नीति आयोग के नए सीईओ अनुराग जैन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को केंद्र ने नीति आयोग का सीईओ बनाया है। 1989 बैच के अनुराग जैन की छवि ब्यूरोक्रेस में एक सख्त अधिकारी की है। मीटिंग में वह खरी-खरी बातें करते हैं। एमपी आने से पहले वह पीएम मोदी की टीम के हिस्सा भी रहे हैं। काम टाइमलाइन पर पूरा हो यह उनकी पहचान है। यही वजह है कि दिल्ली उन पर भरोसा करती है। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन तीन अक्टूबर 2024 को मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव बने थे। 2025 में वह रिटायर होने वाले थे। लेकिन केंद्र की मंजूरी के बाद उन्हें सीधे एक साल एक्सटेंशन मिल गया था। सितंबर 2026 तक उनका कार्यकाल बचा हुआ था। इससे पहले उन्हें नीति आयोग का सीईओ बना दिया गया। आदेश जारी होने पर वह सीएम मोहव यादव से मिलने पहुंचे। अनुराग जैन की छवि मध्य प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में अलग है। वह बेहद सादगी के साथ वह रहते हैं। वहीं, मीटिंग के दौरान हमेशा अधिकारियों के साथ उन्होंने खरी-खरी बातें की है। उनके कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश ने कई उपलब्धियां हासिल की। साथ ही हर टास्क को बखूबी पूरा किया है। अक्टूबर 2024 में जब वह दिल्ली से मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव बनकर आए तो पहली मीटिंग में ही अधिकारियों के सामने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। उन्होंने अधिकारियों को नसीहत दी थी कि हम आईएएस हैं, हमें सब कुछ आता है।

राजस्थान में बांध उड़ाने के लिए चुराई थी शिवपुरी के किले से तोप! इनपुट मिले तो करौली में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुई ऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरों की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। बता दें कि 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से यह बेशकीमती तोप चोरी हुई थी, जिसके बाद से ही स्थानीय इतिहास प्रेमियों में भारी आक्रोश था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा है। इस हाई-प्रोफाइल चोरी में सबसे हैरान करने वाला पहलू सामने आया है। सूत्रों और स्थानीय चर्चाओं के मुताबिक, इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बेहद खतरनाक और विशेष मकसद से चुराया गया था। दावा किया जा रहा है कि चोर इस तोप के जरिए एक बड़े मिट्टी के बांध को उड़ाने की साजिश रच रहे थे। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर इस बांध उड़ाने की थ्योरी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इस इनपुट के बाद एमपी और राजस्थान पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है।जांच में यह साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद उसे राजस्थान सीमा में ले गए। इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने करौली पुलिस के साथ तालमेल बिठाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है। घटनास्थलः ऐतिहासिक नरवर किला (शिवपुरी, मध्य प्रदेश)। घटना की तारीखः 15 जुलाई 2026 (प्राचीन तोप चोरी)। ताजा अपडेटः राजस्थान के करौली में संदिग्धों की लोकेशन ट्रेस, रेड जारी। इनाम व कार्रवाईः आरोपियों पर 10,000 रुपये का इनाम, एमपी-राजस्थान पुलिस का जॉइंट ऑपरेशन। क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी? राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा। फिलहाल पूरी नजर पुलिस के उस खुलासे पर टिकी है जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का सच सामने लाएगा।

माला लेकर पहुंचीं मुस्लिम महिलाएं, CC बिल पास होने पर सीएम का किया वेलकम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश विधानसभा से यूसीसी बिल पास हो गया है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हो जाएगा। विधानसभा से कानून पास होने के बाद सीएम मोहन यादव पहली बार इंदौर पहुंचे तो उनका जोरदार वेलकम हुआ है। खासकर मुस्लिम महिलाएं सीएम का स्वागत करने माला लेकर पहुंचीं। एमपी में यूसीसी आने के बाद सभी धर्मों के लिए एक समान कानून होगा। यूसीसी के ड्राफ्ट को तैयार करने के लिए सभी धर्म के लोगों की राय ली गई थी। इंदौर में सीएम के स्वागत में सभी धर्म के लोग आए थे। सभी लोगों ने यूसीसी के लिए सीएम मोहन यादव का आभार जताया है। मंच पर मुस्लिम महिलाएं सीएम के गले में माला डालकर उन्हें धन्यवाद कहा है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि एक समान कानून के अंदर सबको जीवन-यापन का अधिकार दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज वो सारे काम हो रहे हैं, जिन कामों के लिए हमारे क्रांतिकारियों ने देश को आजादी का सूरज दिखाया। मैं मध्यप्रदेश की जनता को समान नागरिक संहिता विधेयक के विधानसभा में पारित होने की बधाई देता हूं। एमपी में यूसीसी पर उन्होंने कहा कि अभी यहां सभी धर्मों के लोगों ने यूसीसी का समर्थन करते हुए राज्य सरकार का अभिनंदन किया। यूसीसी के लिए हमने साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा लोगों से संपर्क किया। इसके समर्थन में 10 लाख सुझाव आए। उन्होंने कहा कि यूसीसी कानून लागू होने के बाद मध्यप्रदेश उन बड़े राज्यों में शामिल होगा, जो समान कानून के साथ जनता के अधिकारों की सुरक्षा कर रहे हैं। यूसीसी में विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार जैसे कई मसले शामिल हैं। क्या हिंदू-क्या मुस्लिम-क्या पारसी-क्या ईसाई, सबके लिए एक ही कानून लागू होगा। हम एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधान की नीति पर चल रहे हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि इंदौर के साथ विकास जुड़ा हुआ है। इंदौर प्रदेश के बाकी हिस्सों के लिए प्रगति के रास्ते खोलता है। डबल-डेकर ब्रिज अपने आप में आधुनिक तकनीक का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। ये केवल इंदौर ही कर सकता है कि नीचे ब्रिज-उसके ऊपर रेल-उसके ऊपर एक और ब्रिज। मैं इसके लिए सबको बधाई देता हूं।

मां के साथ सोना चाहता था 7 साल का मासूम, लिव इन पार्टनर ने बेलन से पीट-पीटकर कर दी हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। अंबरनाथ से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां मां के लिव-इन पार्टनर की कथित पिटाई का शिकार बने सात साल के मासूम की मुंबई के केईएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. पुलिस के अनुसार आरोपी ने बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की थी. घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था. अब बच्चे की मौत के बाद उसके खिलाफ हत्या की धारा जोड़ने की तैयारी की जा रही है. पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान 25 वर्षीय विकास सिंह के रूप में हुई है. वह बच्चे की मां के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था. महिला अपने पति से अलग होने के बाद अपने सबसे छोटे बेटे के साथ अंबरनाथ में आरोपी के घर रह रही थी. उसके दो बड़े बच्चे अपने पिता के साथ रहते हैं. पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बच्चे को इसलिए पसंद नहीं करता था क्योंकि वह अपनी मां के साथ सोता था. आरोपी उसे अपने संबंधों में रुकावट मानता था. आरोप है कि जब महिला काम पर चली जाती थी, तब वह कई दिनों से बच्चे के साथ मारपीट करता था. बच्चे ने अपनी मां को भी पिटाई की जानकारी दी थी. इसके बाद महिला ने आरोपी को चेतावनी दी थी, लेकिन उसका व्यवहार नहीं बदला. पुलिस के अनुसार 17 जुलाई को आरोपी ने बच्चे की बेलन से बेरहमी से पिटाई की. आरोप है कि उसने बच्चे के गुप्तांग पर भी कई बार लात मारी, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं. घटना के बाद घायल बच्चे को पहले उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया. हालत बिगड़ने पर उसे सायन अस्पताल रेफर किया गया. बाद में बेहतर इलाज के लिए मुंबई के केईएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबरनाथ के एसीपी शैलेश काले ने बताया कि घटना के बाद आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की. उसने दावा किया कि बच्चे के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की है. हालांकि पुलिस को उसके बयान पर संदेह हुआ. इसके बाद जांच और पूछताछ में पूरी घटना का

खुलासा हो गया. पुलिस ने आरोपी विकास सिंह को गिरफ्तार कर लिया. एसीपी शैलेश काले और अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सैयद ने बताया कि बच्चे की मौत के बाद आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है.

'अंकल, बर्गर खा लो...' Jantar Mantar पर मदद के बढ़ते हाथों ने जीता दिल, बारिश में भी नहीं टूटा हौसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुबह के करीब आठ बज रहे होंगे। हल्की बारिश हो रही थी। जनपथ मेट्रो स्टेशन से जंतर मंतर धरना स्थल जैसे-जैसे करीब आ रहा था, शोर बढ़ता जा रहा था। इस शोर में सरकार के खिलाफ नाराजगी की आवाज थी तो प्रदर्शन में शामिल लोगों की मदद करने वालों की पुकार भी थी। धरना स्थल पर पहुंचते ही सबसे पहले 'चाय, चाय, चाय ले लो चाय' की आवाज साफ सुनाई दी। अभी यहाँ आकर रुका ही था कि 10-12 साल के दो बच्चे आए और कहा, 'अंकल बर्गर खाओगे, घर से लेकर आया हूं।' लेकिन, ऐसा माहौल पहले कभी नहीं देखा। यहां आने वाले हर व्यक्ति के हाथ में खाने-पीने का कुछ ना कुछ सामान जरूर था। स्विगी, जोमैटो वालों की तो मानो लाइन लगी थी। ना तो डिलीवरी बॉय को पता है कि सामान किसने ऑर्डर किया है और ना ही वहां सामान रिसीव करने वाले पूछते हैं कि किसने भेजा है। 12वीं में पढ़ता है और गोरखपुर से अकेले आया है। कुछ देर बाद एक बच्चा कोल्डड्रिंक्स लेकर आ गया। उसने अपना नाम राज बताया। कहा कि 10वीं का छात्र हूं और प्रयागराज से चार दिन पहले घर से भागकर आया हूं। उसने आगे कहा कि अगर बैग लेकर आता तो घर वाले पकड़ लेते, इसलिए एक ही कपड़े में आया हूं और चार दिन से यही पहने हुआ हूं। धरना स्थल के अंदर पहुंचा तो यहां पहुंचते ही राधिका मिली। राधिका खूब सारे केले, सेब, नाशपाती, बिस्किट और नींबू पानी वगैरह जमीन पर रखकर बांटती दिखी। पूछा तो बताया कि मैं वर्किंग हूं और 20 जुलाई से यहां आ रही हूं।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में घायल 19 साल के साहिल पर परिवार का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के 20 जुलाई के सांसद मार्च के दौरान पैलेट लगने से 19 साल के साहिल की आंखों की रोशनी खतरे में है. साहिल के परिवार का दावा है कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान उन्हें शरीर पर पैलेट लगे थे. साहिल के चाचा अजय का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया है कि उनकी आंखों की रोशनी वापस आने की संभावना बहुत कम है. साहिल 20 जुलाई को संसद की तरफ मार्च करने गए प्रदर्शन में शामिल हुए थे. इसी दौरान उनके शरीर पर पैलेट लगे. शुरुआत में उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया. बाद में उनकी हालत को देखते हुए उन्हें एम्स के ट्रॉमा सेंटर शिफ्ट कर दिया गया. फिलहाल साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है. साहिल के चाचा अजय ने बताया कि डॉक्टरों ने अभी तक उन्हें यह साफ तौर पर नहीं बताया है कि साहिल को किस तरह की चोटें आई हैं. हालांकि अजय का कहना है कि उन्होंने खुद साहिल के शरीर पर पैलेट के निशान देखे हैं. परिवार को सबसे ज्यादा चिंता साहिल की आंखों की रोशनी को लेकर है क्योंकि डॉक्टरों ने इस बारे में उम्मीद बहुत कम बताई है. यह मामला 20 जुलाई को हुए संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं से जुड़ा है जिसमें कई प्रदर्शनकारियों को चोटें आई थीं. साहिल का मामला इनमें से एक है जो फिलहाल सुर्खियों में है क्योंकि उनकी आंखों की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है.

PM आवास के पास कांग्रेस का प्रोटेस्ट गंभीरतापूर्ण नहीं...', सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मे ने घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नीट पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांग कर रहे सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने कांग्रेस की आलोचना की है. उनकी आलोचना कांग्रेस की तरफ से पीएम नरेंद्र मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग के बाहर धरना देने को लेकर हैं. गीतांजलि आंग्मो ने कहा कि कांग्रेस के 21 जुलाई के विरोध प्रदर्शन 'गंभीरता' नहीं है और

कांग्रेस नेताओं को इसके बजाय जंतर-मंतर पर छात्रों के साथ शामिल होना चाहिए था. इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू में आंग्मो ने कहा कि राजनेता अब वांगचुक और उनकी 'प्रतिष्ठा' का 'फायदा' रहे हैं, लेकिन जनता को अब और बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता. वांगचुक को पिछले हफ्ते जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन स्थल से हटा दिया गया था, वे अस्पताल से ही अपनी भूख हड़ताल जारी रखे हुए हैं. गुरुवार को उनके अनशन का 26वां दिन है. सोशल एंटरप्रेन्योर और शिक्षाविद आंग्मो ने कहा, 'प्रधानमंत्री आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन में गंभीरता की कमी थी. जनता को अब और बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता. यह एक जागरूक भारत है. जो लोग ईमानदार नहीं हैं, उन्हें युवा बाहर कर देंगे. ' गीतांजलि आंग्मो का ये बयान तब आए हैं, जब राहुल और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री मोदी के 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास के पास एक अभूतपूर्व धरना दिया था. मंगलवार को वहां नाटकीय दृश्य देखने को मिला जब राहुल गांधी को पीएम आवास के सामने से पुलिस जबरन उठाकर और घसीटकर ले गई. इस अफरातफरी के दौरान उनकी नाक से खून भी बहने लगा. बाद में रात 9 बजे पुलिस ने उन्हें रिहा किया. प्रधानमंत्री के दरवाज़े तक विरोध प्रदर्शन करके कांग्रेस ने इस आंदोलन में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है. जबकि कॉकरोच जनता पार्टी 28 जून से ही जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है. आंग्मो ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कॉकरोच जनता पार्टी के चलाए गए स्टूडेंट प्रोटेस्ट ने पॉलिटिकल क्लास को साफ़ मैसेज दिया है कि सिर्फ़ सिंबॉलिक कदम या मुंहजबानी बातें अब काफ़ी नहीं होंगी. उन्होंने कहा, 'आंदोलन ने हर पॉलिटिकल लीडर को दिखा दिया है कि उन्हें अपनी बात पर चलना होगा. वे अब और गैसलाइट नहीं कर सकते या झूठे नहीं हो सकते. ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में ब्रिटिश सरकार की स्कॉलरशिप पा चुकीं आंग्मो ने कहा कि यह आंदोलन किसी भी राजनीतिक गुट से जुड़ा हुआ नहीं है. उन्होंने कहा, 'हमारे लिए न तो कोई विपक्ष है और न ही कोई सरकार. हमारे लिए संसद ही सबसे बड़ी संस्था है. हम चाहते हैं कि संसद शिक्षा को एक बुनियादी मुद्दे के तौर पर देखे. हालांकि आंग्मो ने कहा कि जो लोग बिना किसी राजनीतिक मकसद के आ रहे हैं, उनका विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए स्वागत है. उन्होंने कहा, 'जो कोई भी अपने एजेंडे के साथ आएगा, वह पीछे छूट जाएगा क्योंकि यह आंदोलन ईमानदारी और पवित्रता से पैदा हुआ है.

मुंबई में बारिश से 7 में 4 झीलें ओवरफ्लो, 3 का जलस्तर भी बढ़ा, BMC ने दिया अपडेट, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लगातार हो रही बारिश ने मुंबई के जल संकट की चिंता को काफी हद तक कम कर दिया है। बीएमसी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शहर को पेयजल उपलब्ध कराने वाली सातों झीलों में पानी का कुल भंडार बढ़कर 10,09,432 मिलियन लीटर पहुंच गया है। यह इन झीलों की कुल भंडारण क्षमता 14.47 लाख मिलियन लीटर का 69.74 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में जल भंडारण में 7.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बारिश के चलते चार जलाशय ओवरफ्लो हो चुके हैं, जबकि मुंबई को सबसे अधिक पानी उपलब्ध कराने वाली भातसा झील अभी अपनी कुल क्षमता के लगभग 65 प्रतिशत तक भर चुकी है। हालांकि इस वर्ष का जलस्तर पिछले साल इसी अवधि के 86.88 प्रतिशत की तुलना में अभी भी कम है। बीएमसी के अनुसार, पिछले 24 घंटों में जलग्रहण क्षेत्रों में 100 से 230 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले 24 से 48 घंटों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। इससे झीलों का स्तर और बढ़ सकता है। सातों झीलें भातसा, मोदक सागर, अपर वैतरणा, मिडिल वैतरणा, तानसा, विहार और तुलसी मुंबई, ठाणे, पालघर और नासिक जिलों में स्थित हैं और पूरी तरह मॉनसून पर निर्भर हैं। लगातार हो रही बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे आने वाले महीनों में मुंबई की पेयजल आपूर्ति बेहतर रहने की उम्मीद है। हालांकि प्रशासन ने नागरिकों से मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने और खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए मुंबई और आसपास के इलाकों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, शहर और उपनगरों में मध्यम से भारी बारिश के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मुंबई के लिए फिलहाल येलो अलर्ट, ठाणे के लिए येलो अलर्ट और पालघर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पालघर और ठाणे में 24 जुलाई तक भारी बारिश जारी रहने का अनुमान है, जबकि उसके बाद 26 जुलाई तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। वहीं नासिक में भी आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। BMC ने समुद्र तटीय इलाकों के लिए भी सतर्कता बरतने की सलाह दी है। नगर निगम के मुताबिक, शाम 6:22 बजे लगभग 3 मीटर ऊंची हाई टाइड आने की संभावना है। इसके अलावा दोपहर 1:32 बजे और देर रात 1:21 बजे लो टाइड की स्थिति रहेगी। प्रशासन ने लोगों से समुद्र तटों और निचले तटीय क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने की अपील की है।

दिल्ली-NCR में जारी रहेगा बारिश का दौर, 26 से 28 जुलाई के बीच भारी वर्षा का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। NCR में पिछले कुछ दिनों से बारिश का असर जारी है. मॉनसून लगातार सक्रिय बना हुआ है. गुरुवार को आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है. आज रात में भी कई इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है. दिल्ली में अधिकतम तापमान 32एष्ट से 34एष्ट और न्यूनतम तापमान 23एष्ट से 25एष्ट के बीच रह सकता है. बता दें, सफदरजंग मौसम केंद्र पर बुधवार को 12 मिमी और पालम एयरपोर्ट पर 18.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई. मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक, शहर के अधिकांश मौसम केंद्रों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई. वहीं, आने वाले दिनों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है. इस हफ्ते दिल्ली-हृष्टक्रमें लगभग रोज हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. 26 जुलाई से मॉनसून ट्रफ उत्तर की ओर खिसकना शुरू करेगी और 28 जुलाई तक दिल्ली के उत्तर में पहुंच सकती है. इस दौरान कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश भी देखने को मिल सकती है. मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 26 से 28 जुलाई के बीच बारिश की तीव्रता और फैलाव दोनों बढ़ सकते हैं. इसके बाद 29 जुलाई से बारिश की गतिविधियां कम होने की संभावना जताई जा रही है बारिश का असर देश के कई अन्य राज्यों में भी देखा जा सकता है. पंजाब के सीमावर्ती शहर अमृतसर में इस मॉनसून सीजन की सबसे भारी बारिश दर्ज की गई है. इस साल 1 से 22 जुलाई 2026 के बीच अमृतसर में कुल 307 मिमी बारिश हो चुकी है.

छात्रों के संघर्ष को मिला अन्ना हजारे का साथ, आंदोलन में होंगे शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहिल्यानगर। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने अहिल्यानगर में चल रहे छात्रों के आंदोलन में हिस्सा लेने का फैसला किया है. अन्ना हजारे के करीबी सहयोगियों ने बताया कि वो जल्द ही अहिल्यानगर पहुंचकर छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होंगे और उनके मुद्दों पर चर्चा करेंगे. अन्ना हजारे ने आजतक से की खास बातचीत में कहा, 'नरेंद्र मोदी देश के एक बड़े और सम्मानित नेता हैं. उन्हें ये समझना चाहिए कि हिंसा कोई रास्ता नहीं है. वह सर्वोच्च पद पर हैं, इसलिए मैंने उन्हें पत्र लिखा है.' उन्होंने सांसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुए एक्शन पर बोलते हुए कहा कि हिंसा से कभी कोई समाधान नहीं निकलता. मैंने अपने जीवन में 22 आंदोलन किए, लेकिन उनमें कभी हिंसा नहीं हुई. इस आंदोलन में जो हुआ, वह गलत हुआ. आंदोलन हमेशा अहिंसा के मार्ग पर होना चाहिए.

'जंतर-मंतर पर जो हुआ वो गलत है'

अन्न हजारे ने कहा कि सरकार क्या कर रही है...

इस पर मैं कुछ नहीं बोलूंगा, लेकिन जो कुछ हुआ, वह बिल्कुल सही नहीं हुआ. जो दोषी हैं, वे दोषी हैं. उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग पर बोलते हुए अन्ना ने कहा, 'जनता मालिक है. सभी अधिकारी और सरकार जनता के सेवक हैं. जो गलत है, वह गलत है. इस देश में जनता ही सर्वोच्च है. सरकार जो कर रही है, वह गलत है. सरकार सेवक है और उसे जनता के पास जाना चाहिए.' इससे पहले अन्ना हजारे ने दिल्ली में चल रहे छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर दुख जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था. अन्ना ने पत्र में कहा कि लोकतंत्र में टकराव की जगह संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और मंत्री के इस्तीफे से सरकार कमजोर नहीं बल्कि अधिक जवाबदेह बनेगी. अन्ना हजारे ने PM नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में कहा कि किसी घोटाले या गड़बड़ी पर केवल निचले स्तर के अधिकारियों पर जवाबदेही तय कर देना गलत है. जब अच्छे कामों का श्रेय सरकार लेती है तो शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को भी विफलता की जिम्मेदारी लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि मंत्री का इस्तीफा लेने से सरकार की ताकत कम नहीं होगी, बल्कि बाकी मंत्रियों में भी जवाबदेही का सख्त संदेश जाएगा. गांधीवादी नेता ने कहा कि 2024 के बाद इस साल भी 22 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है. धांधली और निराशा के कारण 22 छात्रों ने आत्महत्या कर ली जो बेहद दर्दनाक है. छात्र और अभिभावक पिछले 25 दिनों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसे केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा मानकर पुलिस बल का इस्तेमाल करना सही नहीं है. अन्ना हजारे ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को बिना किसी सार्थक बातचीत के अनशन स्थल से जबरन हटाए जाने का विरोध किया. 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल शिफ्ट किया गया है.

इधर PM मोदी का ऐलान, उधर NEET पेपर लीक में शुरू हुआ एक्शन 4 राज्यों में बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। NEET पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार का एक्शन शुरू हो गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के ऐलान के बाद सरकार मिशन मोड में काम कर रही है. सूत्रों के मुताबिक, अब NEET पेपर लीक मामले के आरोपियों पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा. इसी के साथ इन मामलों की सुनवाई के लिए चार राज्यों में स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है. सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों और हाई कोर्ट से विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें गठित करने का अनुरोध करेगी. इन अदालतों में NEET पेपर लीक से जुड़े मामलों की रोजाना सुनवाई होगी, ताकि जांच और ट्रायल में देरी न हो और जल्द फैसला आ सके. यह कानून 21 जून 2024 से पूरे देश में लागू है. इसका मकसद सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, सॉल्वर गैंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग और अन्य अनुचित तरीकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है. कानून के तहत दोषी पाए जाने पर कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है. यह अधिनियम संघ लोक सेवा आयोग कर्मचारी चयन आयोग रेलवे भर्ती बोर्ड आईबीपीएस केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों की भर्ती परीक्षाओं के अलावा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सभी प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं पर लागू होता है. चूंकि NEET का आयोजन भी करती है, इसलिए इससे जुड़े पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के मामलों में भी इसी कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी. सूत्रों के मुताबिक, NEET पेपर लीक मामले में इस कानून के तहत अब तक चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं. इन मामलों की सुनवाई के लिए बॉम्बे, कलकत्ता, दिल्ली और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है. इनमें से दो मामले बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आते हैं. सरकार का मानना है कि विशेष अदालतों के गठन से न सिर्फ आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज होगी, बल्कि सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर भी मजबूत संदेश जाएगा. साथ ही भविष्य में पेपर लीक और संगठित नकल जैसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने में भी मदद मिलेगी.

NEET आंदोलन पर ठाकरे बंधु एक सुर में, छात्रों पर लाठीचार्ज की निंदा... 26 जुलाई को मुंबई मार्च का ऐलान

दोनों नेताओं ने छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई की आलोचना की और 26 जुलाई को मुंबई में शिवाजी पार्क से सिद्धिविनायक मंदिर तक शक्ति प्रदर्शन निकालने का ऐलान किया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नीट पेपर लीक और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों की पिटाई के मामले पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है. दोनों नेताओं ने कहा कि छात्रों पर जो दबाव डाला जा रहा है और उन्हें जिस तरह पीटा जा रहा है, उसका असर पूरे देश में दिख रहा है. राज ठाकरे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि अब मामला उनसे आगे बढ़कर प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय तक पहुंच चुका है. वहीं उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में छात्रों से मुलाकात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह छात्राओं के कपड़े फाड़े गए और उन्हें कीलों वाली लाठियों से पीटा गया. राज ठाकरे ने कहा कि जब

भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब उसने भी कई मंत्रियों के इस्तीफे मांगे थे. उन्होंने याद दिलाया कि रजा अकादमी के खिलाफ मोर्चे के दौरान मुंबई पुलिस कमिश्नर अरूप पटनायक का इस्तीफा हुआ था, और 26/11 हमले के बाद एक बयान की वजह से गृह मंत्री आर.आर. पाटिल को पद छोड़ना पड़ा था. उन्होंने कहा कि पद की जिम्मेदारी लेने वाले को असफलता की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए. राज ठाकरे ने बताया कि नीट का पेपर तीसरी बार लीक हुआ है और शुरुआत से ही उन्होंने इस परीक्षा प्रणाली का विरोध किया था. उन्होंने प्रधानमंत्री के ट्वीट को बेअसर बताते हुए कहा कि अगर छात्रों को बुलाकर उनकी बात सुनी जाती तो मामला इतना नहीं बढ़ता. उन्होंने किसान आंदोलन, मणिपुर और आदिवासी आंदोलन का जिक्र करते हुए सरकार पर अहंकार का आरोप लगाया. उद्धव ठाकरे का कहना है कि CJI धृतराष्ट्र की तरह काम कर रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट के पास कुत्तों-कबूतरों के लिए वक्त है, छात्रों के लिए नहीं. देश के युवाओं के लिए कोर्ट के पास समय नहीं है. उद्धव ठाकरे ने बताया कि दिल्ली में उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई जो नोटबंदी के बाद बर्बाद हुए अपने कारोबार का गुस्सा जताने आया था. उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अब सिर्फ नीट तक सीमित नहीं, बल्कि वर्षों के जमा गुस्से का नतीजा है. उन्होंने अदालत द्वारा मामले की तुरंत सुनवाई से इनकार करने पर भी सवाल उठाए.

युवती के साथ शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी रिपोर्ट के महज 03 घंटे में किया गिरफ्तार किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। दिनांक 23.07.2026 को पीड़िता द्वारा थाना बागनदी अपने परिजनों के हमराह उपस्थित होकर एक लिखित शिकायत आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि आरोपी खुमेंन्द्र कुमार श्याम उर्फ कुणाल श्याम पिता परदेशी श्याम उम्र 21 वर्ष निवासी सड़क चिरचारी थाना बागनदी जिला राजनांदगांव के द्वारा शादी का प्रलोभन देकर लगातार शारीरिक शोषण किया गया जिसकी परिणाम स्वरूप 08 माह की गर्भवती हो गई इसके बाद शादी करने से इंकार कर दिया कि रिपोर्ट पर थाना बागनदी में अपराध क्रमांक 21/2026 धारा 69 बीएनएस अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये महिला संबधी अपराधों को संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुये श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देषन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कीर्तन राठौर, अनुविभगागीय अधिकारी पुलिस डोंगरगढ़ श्री केशरीनंदन नायक के मार्गदर्षन में टीम बनाकर तत्काल आरोपी की पतासाजी की गई। अपराध कायमी के महज 03 घण्टे के अंदर प्रकरण के आरोपी खुमेंन्द्र कुमार श्याम उर्फ कुणाल श्याम को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म कबूल करने से गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक नंदकिशोर गौतम, उप निरीक्षक देवादास भारती, आरक्षक अनिल टोण्डे एवं आरक्षक टाकेश्वर पटेल की भूमिका सराहनीय रही।

जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं अवैध प्लॉटिंग के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम झुराडबरी में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पहाड़ काटकर अवैध प्लॉटिंग की नीयत से बनाए गए कच्चे रास्ते को बुलडोजर से ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झुराडबरी स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 672, रकबा 32.9723 एकड़ पर स्थित पहाड़ को काटकर अवैध रूप से कच्चा रास्ता तैयार किया गया था। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गौतम पाटिल के नेतृत्व में राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की सहायता से अवैध रास्ते को हटाते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसी कार्रवाई के दौरान खसरा क्रमांक 563/1, 563/2 एवं 563/3 के सामने शासकीय नाले को पाटकर बनाए गए अवैध रास्ते को भी हटाया गया। जिला प्रशासन ने नाले को उसके मूल स्वरूप में बहाल करते हुए जल निकासी व्यवस्था को पुनः सुचारू किया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि, नाला, पहाड़, चरनोई तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण अथवा प्लॉटिंग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार श्रीमती सुरेखा वर्मा, राजस्व निरीक्षक, पटवारी तथा राजस्व विभाग का अमला उपस्थित थे।

दांता और हदाद तालुका में PHC सेंटर्स पर टैक्सी की जगह प्राइवेट गाड़ियां क्यों?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। दांता और हदाद तालुका में PHC सेंटर्स पर टैक्सी की जगह प्राइवेट गाड़ियां लगाई गई, जो प्राइवेट एजेंसी की सोच थी, और सरकार के सर्कुलर का उल्लंघन किया गया। हेल्थ सेंटर्स पर टैक्सी और नई गाड़ियां लगाने की जगह एजेंसी ने सरकार के सर्कुलर का उल्लंघन किया लगता है। जब जिम्मेदार अधिकारी भी इसी प्राइवेट एजेंसी की मदद से बिल पास कर रहे हैं, और इसमें भी चर्चा है कि टैक्सी की जगह प्राइवेट गाड़ियों का बिल पास करने के लिए अधिकारियों का एक बड़ा सेटअप है, ठीक वैसे ही जैसे इसमें प्राइवेट गाड़ियों को पास किया जा रहा है। जब दांता तालुका में नहीं बल्कि बनासकांठा जिले में टैक्सी की जगह प्राइवेट गाड़ियां लगाई जा रही हैं और टैक्सी गाड़ियों को पास किया जा रहा है। जब तालुका के अधिकारी और जिले के अधिकारी इस मामले की जांच करें और इस एजेंसी की प्राइवेट गाड़ियों को तुरंत रिलीज करें, यह जरूरी हो गया है। अब देखना यह है कि टैक्सी की जगह प्राइवेट गाड़ियों को रिलीज किया जाएगा या नहीं। इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह भी आएगा या इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

–सावन में कथित शिवलिंग की पूजा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। न्यायालय में पेश याचिका में हिंदू पक्ष ने मांग की है कि सावन के पवित्र महीने में ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद क्षेत्र में स्थित कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति दी जाए। ऐसे में अदालत ने उचित समय नहीं होने का हवाला देते हुए सुनवाई को दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। गौरतलब है कि 15 मई 2022 को एडवोकेट कमिश्नर की निगरानी में हुए सर्वेक्षण के दौरान परिसर में एक संरचना मिलने का दावा किया गया था। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन शिवलिंग बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वह वजूखाने का फव्वारा है। इसके बाद 20 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने विवादित स्थल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उस हिस्से को सीलबंद रखने का अंतरिम आदेश दिया था।

छात्रों के प्रदर्शन पर राज ठाकरे की चेतावनी, मुंबई में धारा 144 लागू

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने 26 जुलाई को मुंबई में होने वाले छात्र विरोध प्रदर्शन से पहले असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो भी इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उन्हें पिटाई का सामना करना पड़ेगा। यह बयान एमएनएस और शिवसेना (यूबीटी) द्वारा छात्रों के समर्थन में संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा के बाद आया है। यह विरोध प्रदर्शन बीते कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। राज ठाकरे के अलावा, उद्धव ठाकरे ने भी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और दिल्ली में प्रदर्शनकारी युवाओं से मिलकर अपना समर्थन जताया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार सहित कई अन्य राजनीतिक नेताओं ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है। हालांकि, बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए, मुंबई पुलिस ने 23 जुलाई से 6 अगस्त तक पूरे मुंबई में निषेधाज्ञा (धारा 144) लागू कर दी है। पुलिस उपायुक्त (संचालन) अकबर पठान द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने, जुलूस निकालने, लाउडस्पीकर के उपयोग और पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। यह स्थिति शहर में तनाव और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर रही है।

रिजिजू बोले- विपक्ष शर्तें हटाए, सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार

-एनडीए के सभी दल चर्चा चाहते हैं, विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध गुरुवार को भी बना रहा। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार शुरू से ही नीट मुद्दे पर चर्चा कराने के पक्ष में रही है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सहयोगी दल भी इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा चाहते हैं।

रिजिजू ने सदन को बताया कि सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से बातचीत की गई, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चल सके और नीट मुद्दे पर चर्चा शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा की अवधि और स्वरूप तय करने को लेकर लचीला रुख अपनाने को तैयार है, लेकिन किसी भी प्रकार की पूर्व शर्त स्वीकार नहीं की जा सकती। संसदीय कार्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा की मांग तो कर रहा है, लेकिन शर्तें लगाकर उसे टालने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि विपक्ष वास्तव में चर्चा नहीं चाहता। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह अपनी शर्तें वापस लेकर सदन में सार्थक बहस होने दे।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक जैसी घटनाओं पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि दोषियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग नहीं मानेगी सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पेपर लीक विवाद पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर संसद में विस्तार से चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्षी दलों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार की जा रही मांग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार में इस तरह की कोई बात नहीं हो रही है। उन्होंने विपक्ष से आह्वान किया कि वे संसद में अपनी बात रखें और सरकार हर बिंदु पर तथ्यात्मक जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्रकार वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इस मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पेपर लीक के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और उनका रवैया बेहद सेलेक्टिव है। नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में हुई पेपर लीक की घटनाओं पर भी बोलना चाहिए। उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय सरकार के साथ आएं, ताकि देश में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि पेपर लीक का विषय जांच के अधीन है और छात्रों के प्रदर्शन को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष चर्चा की अवधि तय करे, सरकार संसद के पटल पर जनता और छात्रों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी बात रखेगी। दूसरी ओर, अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की मांगों पर भी केंद्रीय मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। वांगचुक ने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की कार्रवाई न करने का आश्वासन मिलने पर अपना अनशन समाप्त करने की बात कही है। इस पर नड्डा ने कहा कि सरकार उनके खुले पत्र का अध्ययन कर रही है और जल्द ही इसका आधिकारिक जवाब दिया जाएगा।

भारत का पाकिस्तान को दो टूक: आतंकवाद के साथ सहयोग असंभव

-जम्मू-कश्मीर पर झूठा नैरेटिव फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान को दो टूक जवाब देकर स्पष्ट किया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक उससे किसी सार्थक सहयोग की उम्मीद नहीं हो सकती है। नई दिल्ली ने पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने और जम्मू-कश्मीर पर झूठा नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत परवथानेनी हरीश ने प्राकृतिक संसाधन शासन- शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नींव विषय पर उच्च स्तरीय खुली बहस के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हमेशा से रहा है, है और रहेगा और इसकी स्थिति संवैधानिक व कानूनी रूप से स्थापित है।

राजदूत हरीश ने बताया कि भारत का इरादा द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने का नहीं था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग कर झूठी कहानी गढ़ने के बाद भारत को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित एकमात्र अनसुलझा मुद्दा उन क्षेत्रों से जुड़ा है जिन पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। यह संवैधानिक और कानूनी वास्तविकता है जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।

सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर भारत के रुख को साफ करते हुए राजदूत हरीश ने स्पष्ट संदेश दिया कि आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की उम्मीद तब तक नहीं की जा सकती जब तक सीमा पार आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में नियमित रूप से इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने जोर दिया कि सीमा पार आतंकी गतिविधियों के साथ विश्वास और सद्भावना नहीं रह सकती। यह बयान आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी तनाव के बीच आया है।

विवाद के बाद सेना प्रमुख के दफ्तर से हटाई गई नई पेंटिंग , अब लगा सेना का प्रतीक चिह्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख के साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय (लाउंज) के बैकड्रॉप में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। पिछले कुछ समय से सैन्य दिग्गजों के बीच विवाद का कारण बनी पेंटिंग को वहां से हटा दिया गया है। आगामी 135वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर जारी सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के एक वीडियो संदेश में यह बदलाव देखा गया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि उनके कार्यालय की लकड़ी के पैनल वाली दीवार पर अब उस विवादित पेंटिंग की जगह भारतीय सेना का प्रतीक चिह्न स्थापित कर दिया गया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब दिसंबर 2024 में सेना प्रमुख के लाउंज से 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में ढाका में हुए ऐतिहासिक सरेंडर वाली पेंटिंग को हटाकर एक नई कलाकृति लगा दी गई थी। हटाई गई पुरानी पेंटिंग में पाकिस्तानी जनरल ए.ए.के. नियाजी को आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया था। इसकी जगह जो नई पेंटिंग लगाई गई थी, उसमें पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के किनारे सेना के टैंक, आसमान में हथियारबंद हेलिकॉप्टर, रथ हांकते भगवान कृष्ण और एलएसी की ओर इशारा करते चाणक्य को चित्रित किया गया था। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली क्षण को दर्शाने वाली तस्वीर को हटाए जाने पर कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कड़ा ऐतराज जताया था।

विवाद बढ़ने के बाद, 1971 के सरेंडर वाली मूल पेंटिंग को दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया था। उस समय तर्क दिया गया था कि सेना प्रमुख के दफ्तर की तुलना में मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग और विदेशी मेहमान उस ऐतिहासिक धरोहर का दीदार कर सकेंगे। हालांकि, अब विवादित पेंटिंग को भी हटाकर वहां केवल भारतीय सेना का आधिकारिक प्रतीक चिह्न लगाने के फैसले का पूर्व सैन्य अधिकारियों ने खुलकर स्वागत किया है। पूर्व नॉर्दर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) एच.एस. पनाग सहित कई दिग्गजों ने इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि यह बदलाव भविष्य में 1971 के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण वाली पेंटिंग को पुनः उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक वापस लाने की दिशा में पहला कदम साबित होगा।

बेंगलुरु ट्रिपल मर्डर : अपराध करने एआई चैटबॉट का लिया गया सहारा

-पुलिस का दावा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त, डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के चर्चित ट्रिपल मर्डर मामले की जांच में पुलिस ने दावा किया है कि मुख्य आरोपी ने कथित रूप से अपराध की योजना बनाने और साक्ष्य मिटाने के तरीकों की जानकारी जुटाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित चैटबॉट का उपयोग किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए गए हैं और उनकी फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

व्हाइटफील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैदुलु अदावथ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित रूप से जहर देने, हथियारों के उपयोग, शव को ठिकाने लगाने और पुलिस की गिरफ्त से बचने से संबंधित जानकारी ऑनलाइन खोजी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गूगल सर्च हिस्ट्री प्राप्त करने के लिए कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से एक भट्टी लगाने की योजना भी बनाई थी। पुलिस का दावा है कि उसने इस संबंध में आवश्यक उपकरण भी जुटाए थे। हालांकि, इन सभी तथ्यों की पुष्टि डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पारिवारिक विवाद और आर्थिक कारणों का भी उल्लेख किया है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि वारदात की योजना में अन्य लोगों की क्या भूमिका थी और घटना से जुड़े सभी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का मिलान किया जा रहा है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जांच जारी है और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्राप्त होने वाले डिजिटल साक्ष्य मामले की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

सोशल मीडिया की लोकप्रियता सफलता का पैमाना नहीं: सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कानूनी पेशे से जुड़े युवाओं को सोशल मीडिया और ऑनलाइन विजिबिलिटी को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता या ध्यान आकर्षित करने को किसी वकील को अपनी वास्तविक सफलता नहीं माननी चाहिए। कानूनी पेशे में असली सम्मान, स्थायी पहचान और सफलता कोर्ट रूम के भीतर की गई कड़ी मेहनत, लगन और बनाई गई क्रेडिबिलिटी (विश्वसनीयता) से मिलती है, न कि किसी डिजिटल मंच या ऑनलाइन टीआरपी से।

सीजेआई सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा 2025 बैच के नए एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) वकीलों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चित होना और ध्यान खींचना बेहद आसान है, लेकिन यह कभी भी अदालत की विश्वसनीयता का स्थान नहीं ले सकता। वकीलों को टीवी चैनलों की तरह टीआरपी के पीछे भागने और अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से मापने के लालच से बचना चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को करियर के शुरुआती दिनों में बड़ी लॉ फर्म खोलने के बजाय अपनी वकालत की कला को निखारने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिग्रियां और पद केवल अवसर का दरवाजा खोलते हैं, लेकिन एक सफल करियर काम की गुणवत्ता से ही बनता है।

अपने शुरुआती करियर के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि याचिकाओं और कानूनी दस्तावेजों की बेहतर ड्राफ्टिंग ही इस वकालत की आत्मा है। उन्होंने युवा वकीलों से प्रत्येक याचिका को एक ऐसे प्रभावशाली आख्यान के रूप में तैयार करने का आग्रह किया कि जज शुरू से अंत तक उससे जुड़े रहें। इसके साथ ही, सीजेआई ने कानूनी ड्राफ्टिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि एआई केवल शोध और संदर्भ का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह कभी भी वकील की अपनी समझ और मानवीय बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकता। मुवक्किल अपना मामला एक इंसान को सौंपता है, मशीन को नहीं। एआई को केवल एक कार्यालय सहायक के रूप में रखें और अपनी सोचने-समझने की क्षमता पर हावी न होने दें। अंत में उन्होंने वकीलों से पूरी ईमानदारी के साथ गरीब और वंचित वर्ग के मुवक्किलों को कानूनी सहायता (लीगल एड) प्रदान करने की अपील भी की।

रुपए को स्थिर रखने के लिए आरबीआई ने बेचे अरबों डॉलर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई महीने में विदेशी मुद्रा हाजिर बाजार में 6 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। यह कदम कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये में आने वाली अस्थिरता को रोकने और उसे स्थिर बनाए रखने के लिए उठाया गया। आरबीआई के इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप, मई में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मात्र 0.1 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जो केंद्रीय बैंक के प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मई में आरबीआई ने कुल 22.2 अरब डॉलर बेचे, जबकि 16.2 अरब डॉलर खरीदे, जिससे शुद्ध बिक्री 6 अरब डॉलर रही। इससे पहले, अप्रैल में भी रिजर्व बैंक ने 8.95 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। फॉरवर्ड बाजार में भी, मई के अंत तक आउटस्टैंडिंग नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन अप्रैल के 95.3 अरब डॉलर से बढ़कर 106.7 अरब डॉलर हो गई है, जो रुपये के प्रबंधन में आरबीआई की बहुआयामी रणनीति को उजागर करता है।

अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों के कारोबार के लिए श्रीराम ऑटोमॉल से की साझेदारी

दोनों कंपनियां ग्राहकों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करने पर देंगी जोर

नई दिल्ली ।

प्रमुख वाहन निर्माता अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों (सीवी) के बाजार को पुनर्गठित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (एसएएमआईएल) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, जिसका उद्देश्य प्रमाणित पुरानी सीवी के लिए एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। इस साझेदारी के तहत, अशोक लेलैंड और श्रीराम ऑटोमॉल मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार करेंगे जहां देशभर के ग्राहक अधिक भरोसे और सुविधा के साथ विश्वसनीय तथा गुणवत्ता-सुनिश्चित परिवहन समाधान प्राप्त कर सकें। इसका सीधा लाभ उन ग्राहकों को मिलेगा जो पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियाँ खरीदने या बेचने की तलाश में हैं। अशोक लेलैंड के हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) कारोबार के प्रमुख विप्लव शाह ने बताया कि इस गठबंधन का लक्ष्य वाणिज्यिक वाहन उद्योग में अशोक लेलैंड की विशेषज्ञता और पुरानी गाड़ियों के क्षेत्र में श्रीराम ऑटोमॉल के मजबूत नेटवर्क एवं ग्राहक आधार को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करना और उन्हें एक निर्बाध स्वामित्व अनुभव प्रदान करना है। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के एक अ धिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को एक पारदर्शी, कुशल और भरोसेमंद मंच मुहैया कराना है। इससे देशभर में पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों की खरीद-बिक्री की प्रक्रिया सरल होगी और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा, जिससे बाजार में विश्वास बढ़ेगा।

एशियाई बाजारों में अच्छी बढ़त

मुंबई।

एशियाई शेयर बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। निवेशकों को उम्मीद है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते वैश्विक निवेश का फायदा चिप बनाने वाली कंपनियों को मिलेगा। जापान का निक्केई 225 करीब 0.99 प्रतिशत मजबूत रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 3.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिलाजुला रुख लेकर बंद हुए। डाओ जोंस में 0.01 प्रतिशत की हल्की गिरावट रही। एसएंडपी 500 0.14 प्रतिशत फिसला। टेक शेयरों पर दबाव के चलते नेस्डेक कम्पो जिट 0.57 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,900 के नीचे फिसला

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने कमजोर शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 100 अंक गिरकर 23,896.50 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स 302 अंक की गिरावट के साथ 76,453.42 के स्तर पर रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव रहा, जहां निफ्टी मिडकैप 0.54 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.75 फीसदी नीचे रहे। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी फार्मा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी हेल्थकेयर सबसे कमजोर रहे, वहीं निफ्टी एफएमसीजी और ऑटो ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक फीसदी तक लुढ़क गए। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक गिरकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 828.92 अंक तक गिरकर 76,641.19 अंक पर आ गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 191.45 अंक या 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

अल्ट्राटेक सीमेंट की एनसीडी जारी कर 5,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

अल्ट्राटेक सीमेंट की निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर बाजार से 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की वित्त समिति ने एक लाख रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम पांच लाख गैर-परिवर्तनीय, गैर-संचयी ऋणपत्र जारी कर धन जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि ऋणपत्र की अवधि, कूपन दर और विभिन्न किश्तों में निर्गम के कार्यक्रम का ब्योरा बाद में जारी किया जाएगा। अल्ट्राटेक सीमेंट 20.55 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की ग्रे सीमेंट क्षमता और 32 लाख टन प्रतिवर्ष सफेद सीमेंट एवं पुट्टी क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है।कंपनी चालू वित्त वर्ष में केबल और तार कारोबार में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है।

सोने का भाव 473 रुपए गिरा और चांदी में 462 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सोने का भाव 473 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे आया, जबकि चांदी भी 462 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं की चमक फीकी पड़ी है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव बना। एमसीएक्स पर सोना 473 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी का भाव भी 462 रुपये गिरकर 2,26,536 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,131 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है, जबकि चांदी 0.26 प्रतिशत की कमी के साथ 60.18 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से सोना करीब 3 फीसदी चढ़कर 4,130 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास मजबूत हुआ था। वहीं देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है।

होंडा जल्द ही नई फ्लैगशिप एसयूवी जेडआर-वी हाइब्रिड करेगी लांच

नई दिल्ली।

जल्द ही होंडा भारतीय बाजार में अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी, जेडआर-वी हाइब्रिड, लॉन्च करने वाली है। यह लग्जरी एसयूवी होंडा को एक नए और महंगे सेगमेंट में स्थापित करेगी। जुलाई 2026 में इसकी कीमतों की घोषणा की जाएगी। इसी महीने से डिलीवरी भी शुरू हो जाएगी, जिसकी बुकिंग मई 2026 से जारी है। यह एसयूवी सीबीयू रूट के माध्यम से विदेश से आयात की जाएगी, जिससे इसकी सीमित उपलब्धता होगी। भारतीय मार्केट में इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसका सीधा मुकाबला फॉक्सवैगन टिगुआन, स्कोडा कोडियाक और जीप मेरिडियन जैसी प्रीमियम एसयूवी से होगा। जेडआर-वी हाइब्रिड में 2.0-लीटर चार-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ डुअल-मोटर हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो कुल 184बीएचपी की पावर और 315 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। होंडा का दावा है कि यह एसयूवी मात्र 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है

और 22.80 किमी/लीटर का बेहतरीन माइलेज देगी। इसकी टॉप स्पीड 172 किमी/घंटा है। इसके मॉडर्न केबिन में 9-इंच का इंफोटेनमेंट डिस्प्ले (वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ) और 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। अन्य प्रीमियम फीचर्स में पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग, पावर्ड फ्रंट सीट्स और 12-स्पीकर बोस ऑडियो सिस्टम शामिल हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 8-एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और लेवल-2 अडास जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं।

विदेशी बैंकों ने ब्याज दर कटौती का सर्वाधिक लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया- आरबीआई

कर्ज और जमा दरों में सार्वजनिक व निजी बैंकों से अधिक कटौती, आरबीआई बुलेटिन में हुआ खुलासा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दरों में कटौती का सबसे अधिक फायदा ग्राहकों को विदेशी बैंकों ने पहुंचाया है। आरबीआई के मासिक बुलेटिन के जारी होने के बाद यह जानकारी सामने आई कि विदेशी बैंकों ने मौजूदा ब्याज दर कटौती चक्र के दौरान सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में ऋण और जमा, दोनों पर ब्याज दरों में अधिक कमी की। आरबीआई के अनुसार विदेशी बैंकों ने मौद्रिक नीति में नरमी के दौर में ग्राहकों तक राहत पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। रुपए में लिए गए नए कर्ज पर भारित औसत ब्याज दर में विदेशी बैंकों ने 1.24 प्रतिशत की प्रभावशाली कटौती की।

, जबकि निजी बैंकों ने 1.08 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल 0.66 प्रतिशत अंक की कमी की। बकाया ऋणों पर भी विदेशी बैंक सबसे आगे रहे, उन्होंने ब्याज दरों में 1.20 प्रतिशत की कटौती की, जबकि निजी और सार्वजनिक बैंकों की कटौती क्रमशः 0.98 प्रतिशत और 0.81 प्रतिशत रही। जमा दरों के मामले में भी यही रुझान देखा गया। नए घरेलू सावधि जमा पर विदेशी बैंकों ने 0.91 प्रतिशत की कमी की, जो निजी बैंकों (0.74 प्रतिशत) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (0.73 प्रतिशत) से अधिक है। इसी तरह, मौजूदा जमा पर भी विदेशी बैंकों ने 0.90 प्रतिशत की कटौती की।

यह निजी बैंकों की 0.46 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 0.53 प्रतिशत की कटौती से काफी अधिक है। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत अंक की कमी की है, जिसका लाभ विदेशी बैंकों ने ग्राहकों तक पहुंचाने में बेहतर प्रदर्शन किया।

अमेरिका भारत समेत 60 व्यापार साझेदारों पर जल्द करेगा कार्रवाईः ग्रीर

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने बंधुआ मजदूरी से जुड़े आयात के मुद्दे पर भारत समेत अपने 60 प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने घोषणा की है कि वह धारा 301 जांच के तहत अंतिम कार्रवाई उपाय जल्द ही जारी करेगा, जिससे इन देशों को अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने सीनेट की वित्त समिति को बताया कि शीर्ष 60 व्यापारिक साझेदार बंधुआ मजदूरी से तैयार उत्पादों के आयात पर प्रतिबंधों को अपनाने और प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं। ग्रीर ने संकेत दिया कि यूएसटीआर गुरुवार को धारा 301 जांच पर अंतिम कार्रवाई की घोषणा कर सकता है। इससे पहले, यूएसटीआर कार्यालय ने इस मुद्दे पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था, जिस पर व्यापक जनसुनवाई और 1,600 से अधिक टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

भारत ने अमेरिकी सरकार की इन जांचों का विरोध करते हुए कहा है कि ऐसे मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत चर्चा की जानी चाहिए, जिस पर बातचीत जारी है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है, और 2025 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार लगभग 141 अरब डॉलर रहा।

ग्रामीण महिलाओं की बेरोजगारी एक साल के उच्चतम स्तर पर

जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी 5 फीसदी हुई; बोआई में देरी और अल नीनो बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली।

कमजोर मॉनसून और खरीफ की बोआई में हुई देरी के चलते जून में ग्रामीण भारतीय महिलाओं की बेरोजगारी दर कम से कम एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर 5.9 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का दबाव सर्वाधिक रहा। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी दर एक साल पहले के 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी महिला बेरोजगारी 8.4 प्रतिशत रही, जो हालांकि पिछले साल से कम है, पर ग्रामीण दर से अब भी काफी अधिक है। इस दौरान ग्रामीण महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में भी 1.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 35.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.6 प्रतिशत हो गई। यह दर्शाता है कि अधिक महिलाएं काम की तलाश में निकली हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल पा रहा है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत कई वर्षों में सबसे कमजोर रही। मौसम विभाग के अनुसार, जून के पहले तीन हफ्तों में पूरे भारत में औसत से लगभग 42 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जिसके कारण खरीफ की बोआई काफी पिछड़ गई। 10 जुलाई तक बोआई का रकबा पिछले साल की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत कम था, हालांकि 17 जुलाई तक बारिश में सुधार से यह अंतर घटकर 6.04 प्रतिशत रह गया।

भारतीय हाई-टेक सेक्टर में वीसी फंडिंग को मिली रफ्तार चिप

सेमीकंडक्टर और स्पेस स्टार्टअप में वीसी फंडों का बढ़ा रुझान

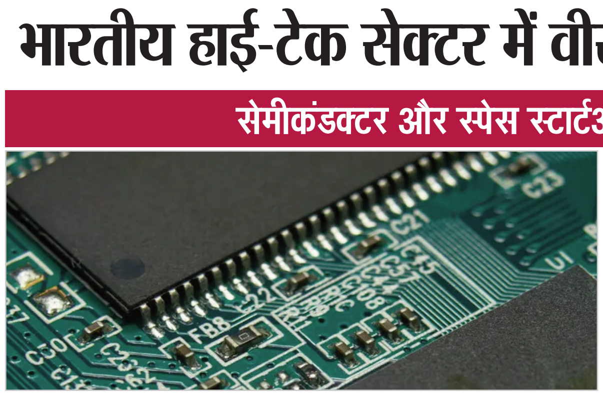

नई दिल्ली ।

भारत के उच्च-तकनीकी क्षेत्र-चिप, सेमीकंडक्टर डिजाइन और अंतरिक्ष में वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुरुआती सुस्ती के बावजूद, सरकार के प्रोत्साहन और बदलती नीतियों के साथ, इस साल इन सेक्टर्स में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार 2023 से वीसी फंडों ने भारतीय चिप और सेमीकंडक्टर कंपनियों में 29 फंडिंग राउंड में 16.21 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसमें औसत सौदे का आकार 55.8 लाख डॉलर रहा। इस साल अब तक 7.09 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है, जो पिछले वर्ष (5.37 करोड़ डॉलर) के मुकाबले तेजी से बढ़ा है। सरकार चिप डिजाइन स्टार्टअप्स में सह-निवेश (बिना नियंत्रण) की योजना बना रही है और नई सेमीकॉन 2 पॉलिसी भी घोषित कर चुकी है। वहीं स्पेस और सैटेलाइट सेक्टर में भी वीसी फंडिंग में तेजी आई है, हालांकि यह चिप डिजाइन सेक्टर से बेहतर है।

2023 से इस सेक्टर के स्टार्टअप्स को 89 राउंड में कुल 44.6 करोड़ डॉलर मिले हैं, जिसका औसत निवेश 50.1 लाख डॉलर प्रति राउंड रहा। इस वर्ष के शुरुआती सात महीनों में ही 10.07 करोड़ डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ था। स्काईरूट एयरोस्पेस की विक्रम-1 की सफल शुरुआत के बाद यह सेक्टर और सुर्खियों में है।

टीसीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पकड़ी रफ्तार

क्षमता विस्तार और मजबूत पोर्टफोलियो से कंपनी बनी मार्केट लीडर

नई दिल्ली ।

भारत का इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार अब स्टार्टअप कंपनियों के बजाय पारंपरिक ऑटो दिग्गजों के हाथ में आ रहा है। इस बदलाव की अगुवाई टीवीएस मोटर्स कर रही है, जो अब ईवी सेगमेंट में सबसे आगे निकल चुकी है। जून तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद, कई ब्रोकरेज फर्म टीवीएस को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा खिलाड़ी मान रहे हैं, जो बजाज आटो जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से आगे निकल रही है। भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में टीवीएस मोटर्स ने अपनी पकड़ तेजी से मजबूत की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टीवीएस फिलहाल देश के इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अग्रणी है। कंपनी का प्रदर्शन केवल ईवी तक सीमित नहीं है, बल्कि पेट्रोल स्कूटर, प्रीमियम मोटरसाइकिल और निर्यात बाजारों में भी मजबूत रहा है। टीवीएस इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए वित्त वर्ष 27 तक दोपहिया उद्योग से बेहतर ग्रोथ की उम्मीद कर रही है। कंपनी लगभग 3500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि कर रही है। इसके तहत, दोपहिया वाहनों की सालाना क्षमता 68 लाख से बढ़ाकर 83 लाख और तीनपहिया वाहनों की क्षमता 2.5 लाख से 4.2 लाख यूनिट करने की योजना है। साथ ही, प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में नारटन ब्रांड के तहत नए मॉडल भी पेश किए जाएंगे। मोतीलाल ओसवाल ने टीवीएस के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,470 रुपए का लक्ष्य दिया है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 से 28 के बीच कंपनी का राजस्व, ए बिटा और मुनाफा क्रमशः 20, 23 और 24 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज कर सकता है।

मारुति का कॉम्पैक्ट एसयूवी बना भारतीय पैसेंजर व्हीकल का सबसे बड़ा सेगमेंट

नई ब्रेजा की बुकिंग शुरू, 24 जुलाई को लॉन्चिंग

नई दिल्ली ।

भारत के तेजी से बढ़ते एसयूवी बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होने के साथ मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, ब्रेजा, की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। हाल ही मे अपडेटेड मॉडल की लॉन्चिंग से पहले, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता ने घोषणा की है कि नई ब्रेजा को किसी एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग के बजाय, एक व्यापक ग्राहक आधार को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह कदम ऐसे समय आया है जब पिछले 18 महीनों में ब्रेजा खरीदने वाले ग्राहकों की प्रोफाइल में बड़ा बदलाव देखा गया है, जिसमें पहली बार कार खरीदने वालों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत बढ़ी है। अब ब्रेजा के ग्राहक आधार में पहली बार कार खरीदने वाले, पुरानी कार बदलने वाले और अतिरिक्त कार खरीदने वाले ग्राहक, तीनों की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के बराबर है, जो इस बात का संकेत है कि कोई एक ग्राहक खंड अब प्रभावी नहीं है। मारुति सुजुकी इंडिया के मार्केटिंग एंड सेल्स के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने इस बदलाव पर जोर देते हुए कहा, अब हम सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं बना रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि युवा भारत क्या चाहता हैज फर्क मानसिकता से पड़ता है।

यह नया दृष्टिकोण उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और सोच को प्राथमिकता देता है, न कि पारंपरिक जनसांख्यिकीय आंकड़ों को।

कंपनी के आंतरिक शोध से पता चला है कि पिछले एक दशक में एंट्री-लेवल एसयूवी खरीदारों की सोच काफी बदली है। 2017 के बाद से ऐसे खरीदारों की संख्या में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उद्योग की वृद्धि दर से दोगुने से भी अधिक है। ग्राहकों की प्राथमिकताओं में भी बदलाव आया है; 2017 से 2025 के बीच परफॉर्मेंस को महत्व देने वालों की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी है, नई तकनीक को महत्व देने वालों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत बढ़ी है और बड़े बूट स्पेस की मांग दोगुनी हो गई है। यह रणनीति ऐसे समय में आई है जब कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट वित्त वर्ष 2016 के 5 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ भारत के पैसेंजर व्हीकल बाजार की सबसे बड़ी कैटेगरी बन चुका है।हालांकि, 2016 में लॉन्च होने के बाद ब्रेजा ने कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

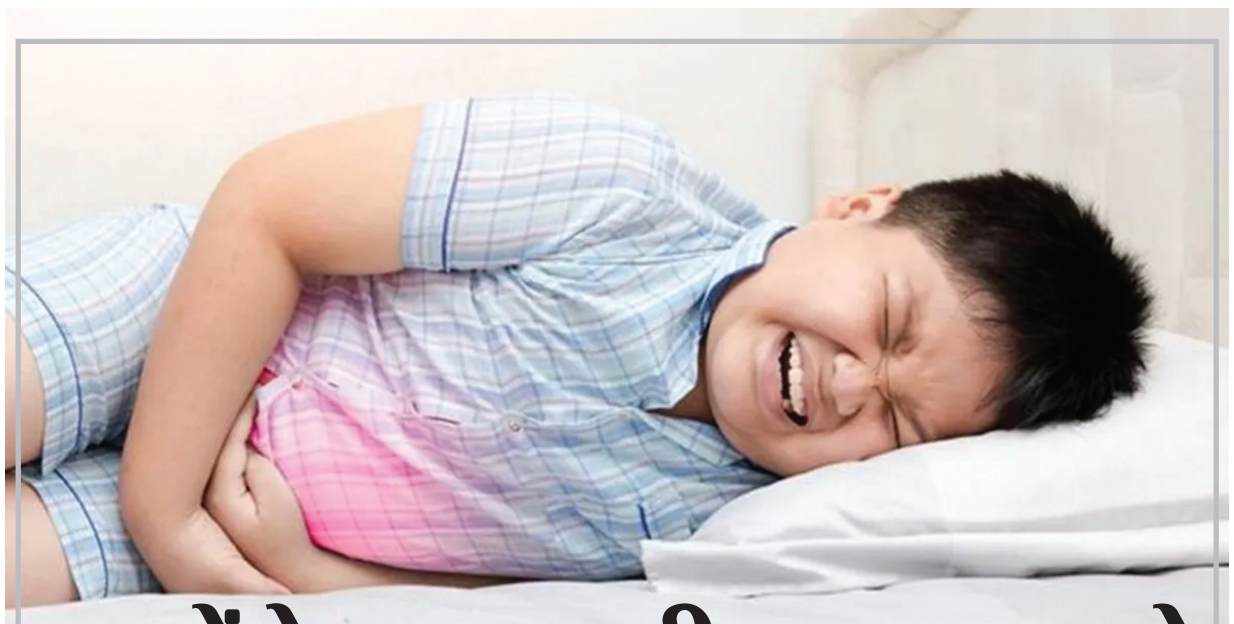

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।
बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।
भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।
सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।
अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।
दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।
मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।
सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

अफगानिस्तान को मिला नया कप्तान

▶▶ गुरबाज को भी अहम जिम्मेदारी; 55 में से 27 ODI जीत दिलाने वाले शाहिदी का युग समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम हाल ही में भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारकर गई थी। इस सीरीज में हार के कुछ दिन बाद ही अफगान टीम के वनडे व टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब उनकी जगह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार (22 जुलाई 2026) को वनडे व टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया है। राशिद खान को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और रहमत शाह नए कप्तान बन गए हैं। हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी अच्छा रहा। टीम ने इस दौरान अपना प्रदर्शन भी सुधारा। इसमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम का खेलना और कई शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं।

अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर शाहिदी ने यह पद छोड़ने का फैसला किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तान का ऐलान करते हुए शाहिदी का शुक्रिया भी अदा किया और कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड हशमतुल्लाह शाहिदी द्वारा टीम के लिए दी गई उपयोगी सेवाओं की सराहना करता है। साथ ही बोर्ड रहम शाह जुरमाती को अपने नए रोल और आने वाली चुनौती के लिए शुभकामनाएं देता है।

गुरबाज को बनाया गया उपकप्तान

रहमत शाह मई 2021 से अफगान टीम के उपकप्तान थे। वहीं वह टेस्ट और वनडे में अफगानिस्तान के लीडिंग रन स्कोरर भी हैं। शाह को कप्तान तो विकेटकीपर बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का वनडे और टेस्ट का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। शाह और गुरबाज की बतौर लीडर्स अगली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी जहां पांच वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स:

● अर्जुन एरिगैसी से खेला ड्रॉ

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली , एजेंसी। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलकर 4.5 अंकों के साथ चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

अंतिम दौर में ड्रॉ से पक्की की जीत

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। ऐसे में खिताब जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अब्दुसत्तोरोव की हार ने आसान किया रास्ता

दूसरी ओर, काले मोहरों से जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश कर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में मात दी। इस हार के बाद फिरूजा के लिए ड्रॉ ही खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था।

आंद्रेइकिन और अर्जुन संयुक्त दूसरे स्थान पर

दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की।

ड्रूंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं:

25 जुलाई से शुरू होगा 135वां संस्करण

कोलकाता, एजेंसी। ड्रूंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट ड्रूंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई। कोलकाता में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. इंद्रनील खान ने ट्रॉफियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ और ड्रूंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह समेत सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। ड्रूंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। कोलकाता में उद्घाटन मुकाबले के अलावा ग्रुप ए और बी के मैच, एक क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल 23 अगस्त को होगा। मंत्री डॉ. इंद्रनील खान ने कहा कि कोलकाता के लिए 16 मुकाबलों की मेजबानी गर्व की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के फुटबॉल प्रेमियों से उद्घाटन मुकाबले से लेकर फाइनल तक स्टेडियम पहुंचकर भारतीय खिलाड़ियों और टीमों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने कहा कि ड्रूंड कप भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और यह सैन्य-नागरिक साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, बंगाल सब एरिया के जीओसी और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वी कमान के अधीन ड्रूंड कप का विस्तार 2032 तक होना टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की एक विदेशी टीम भी शामिल है। कुल 43 मुकाबले पांच मेजबान शहरों-कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इम्फाल में छह मैदानों पर खेले जाएंगे। 1888 में शुरू हुआ ड्रूंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी सक्रिय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

जेनेराली ओपन: क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और

मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

किट्जबुहेल, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के किट्जबुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन वचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। वचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलां गैरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्जबुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से होगा। मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्जबुहेल खिताब भी शामिल है। अब उनका सामना जर्मनी के यानिक हनफमैन से होगा, जिन्होंने मार्को ट्रंगेलिटी को 6-4, 7-6(2) से हराया। अन्य मुकाबलों में पांचवीं वरीयता प्राप्त इनासियो ब्यूस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर किलियन फेल्डबॉश को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया।

वहीं चौथी वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने घरेलू खिलाड़ी और क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-2, 7-6(4) से मात देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

टीम इंडिया में नहीं मिला मौका...

अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर टी20 सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी. फिर इंग्लैंड टूर पर भी टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ था. इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हराया. फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज भी इंग्लिश टीम ने 2-1 से अपने नाम की. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो तीनों मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे. कुलदीप आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 टीम का पार्ट नहीं थे, लेकिन वनडे सीरीज के दौरान टीम में रहने के बावजूद उन्हें बाहर रखना चौंकाने वाला रहा. अब कुलदीप अब इंग्लैंड में नई शुरुआत करने जा रहे हैं.

कुलदीप ने प्रतिष्ठित काउंटी क्लब यॉर्कशायर के साथ अनुबंध किया है. क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की. कुलदीप यादव 24 जुलाई से 2 अगस्त तक यॉर्कशायर के लिए वन-डे कप के पांच मुकाबले खेलेंगे. इसके बाद वह भारत की दो टेस्ट मैचों की श्रीलंका सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे. श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद वह फिर इंग्लैंड लौटेंगे और यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम तीन मुकाबलों में भी खेलेंगे.

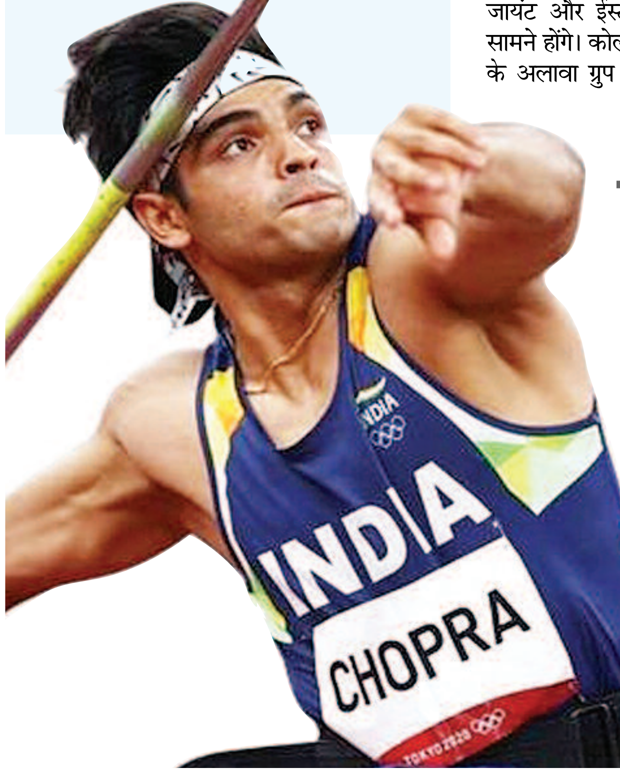

क्या नीरज नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड

● ओलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ओलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं।

भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे?

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों की फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा

सिडनी, एजेंसी। युवा खिलाड़ी सैम कॉन्स्टास और कैंपबेल केलावे को डार्विन में अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दौरे के लिए 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन' में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता भविष्य में टेस्ट मैचों में ओपनिंग करने वाले खिलाड़ियों के तौर पर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी और दो टेस्ट मैच खेल चुके कर्टिस पैटरसन को भी टीम में जगह मिली है, जिससे पता चलता है कि वे अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर अहम खिलाड़ी हैं। वहीं, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑफ-स्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भारत के आगामी ऑस्ट्रेलिया ए'और टेस्ट दौरों (जो क्रमशः सितंबर और जनवरी में होने हैं) के लिए तैयार किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन बनाम बांग्लादेश टीम इस प्रकार है: कैंपबेल केलावे, कैंपबेल थॉम्पसन, कोरी रोचिचिओली, हैनो जैकब्स, जेक डोरन, जेरसिस वाडिया, जोश फिलिप, कर्टिस पैटरसन, सैम कॉन्स्टास, टीग विली, टॉम मेंज़ीज़, टॉम रोजर्स, ज़ेवियर क्रोन, नूह मैकफैडेन।

दर्शकों से मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल-4' और 'इक्का' की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने लिखा, किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई 'धमाल 4' और 'इक्का' एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया।'

फिल्म 'धमाल-4' में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह 'भाभी' (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इक्का' एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने 'गौरी' (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है। 'धमाल-4' और 'इक्का' दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।' शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है जिनमें महिलाओं का किरदार प्रभावशाली हो

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए।

अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।' उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया।

प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली की तारीफ

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।' प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

2027 में रिलीज होगी है फिल्म

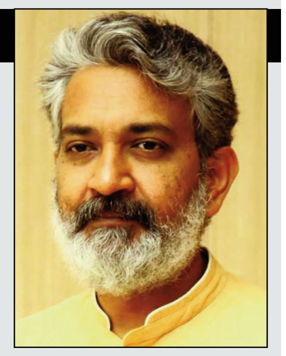

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

सही मौके पर सही जगह होने के चलते मिला करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उन्हें पहचान 'मिर्जापुर' सीरीज के उनके 'बीना त्रिपाठी' के किरदार से ही मिली। अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें एक बार फिर रसिका बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन हाल ही में रसिका ने बताया कि बीना का किरदार उन्हें किस्मत से मिल गया। सही मौके पर सही जगह होने के चलते उन्हें अपने करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार मिला।

बातचीत में रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' के अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'मिर्जापुर' लगभग नहीं हो पाता। हालांकि वह इसके क्रिएटर करण अंशुमन को जानती थीं, लेकिन उनसे काम मांगने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मिर्जापुर के लिए मैं करण अंशुमन को जानती में से एक थे। किसी ने मुझे बताया कि वह यह शो बना रहे हैं। मैंने कहा, 'अगर करण मुझे कास्ट करना चाहते, तो वह मुझे बुलाते।' मेरी दोस्त ने कहा, 'तुम उन्हें याद दिलाने के लिए एक मैसेज क्यों नहीं भेजतीं?' मैंने कहा, 'मैं उनके लिए स्थिति अजीब नहीं बनाना चाहती। दोस्तों का मैसेज आना कि 'रोल दे दो,' ऐसी स्थिति है जिससे आप आसानी से निकल नहीं सकते।' लेकिन फिर मैंने कहा ठीक है, मैं उन्हें मैसेज करूंगी।

किरदार को लेकर नर्वस थीं

उस फैसले ने सब कुछ बदल दिया। रासिका ने आगे कहा कि मुझे एक मिनट के अंदर ही जवाब मिला, 'बिल्कुल, चलो इस बारे में मिलते हैं।' जब मैं उनसे मिली, तो उन्होंने कहा, 'मैंने तुमसे इसलिए नहीं पूछा क्योंकि तुम 'मंटो' में नवाज के अपोजिट कास्ट हुई थीं। मुझे लगा कि शायद तुम स्ट्रीमिंग शो करना चाहती हो।' मैंने कहा, 'क्या आप पागल हैं? बिल्कुल, मैं यह जरूर करूंगी।' जब मैंने वह हिस्सा पढ़ा, तो मुझे लगा, 'वाह, शुक्रिया।' मैं लगभग डर ही गई थी। यह मेरे लुक से इतना अलग था कि मुझे लगा कि कहीं ये लोग बीच में अपना मन न बदल लें। कभी-कभी जब मैं रीडिंग के लिए ऑफिस जाती थी, तो सोचती थी, 'शिट, उम्मीद है उन्हें ऐसा न लगे कि मैं यह नहीं कर पाऊंगी।' मैं बहुत नर्वस थी कि क्या मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगी या नहीं। सोचिए, बस एक मैसेज। अगर मैंने वह मैसेज न भेजा होता, तो क्या होता? 'मिर्जापुर' की सफलता ने बीना त्रिपाठी को इंडियन स्ट्रीमिंग के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया।

किस्मत से मिला 'दिल्ली क्राइम' में रोल

एक्ट्रेस ने 'दिल्ली क्राइम' में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत से उन्हें यह रोल मिला। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी तरह 'दिल्ली क्राइम' के मामले में भी सही समय पर सही जगह पर होना काम आया। मैं 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी, जिसमें मेरा छोटा सा रोल था। मैं रिची मेहता को जानती थी क्योंकि हम फिल्म फेस्टिवल में मिल चुके थे, जब मैं 'किस्सा' के साथ ट्रैवल कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कुछ नया बना रहे हैं और मैंने उनसे संपर्क भी नहीं किया था। इत्तेफाक से रिची उसी लोकेशन पर आए जहां हम 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रहे थे, ताकि वह अपने किसी दूसरे शो के लिए लोकेशन का जायजा कर सकें। मजेदार बात यह है कि वह शो तो नहीं बना, लेकिन 'दिल्ली क्राइम' बन गया। उन्होंने सोचा, 'अरे, मैं अभी रसिका से मिला। वह इस रोल के लिए बहुत अच्छी रहेगी।' एक्ट्रेस का मानना है कि टैलेंट इस पूरी प्रक्रिया का बस एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह किस्मत

संक्षिप्त समाचार

यूएन की रिपोर्ट में दावा- 2025 में एशिया प्रशांत में 114 अरब यूएसडी का साइबर अपराध; 80+ देशों में असर

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में साइबर गिरोहों ने एशिया प्रशांत के लोगों को 114.1 अरब डॉलर तक का चूना लगाया, जो इस क्षेत्र के कई देशों की जीडीपी से भी अधिक है। संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीनी मूल के इन गिरोहों का नेटवर्क म्यांमार और लाओस से पूर्वी तिमोर, प्रशांत द्वीप समूह और अफ्रीका तक फैल गया है। दावा है कि इनके केंद्रों में 80 से अधिक देशों के लोगों को नौकरी का झांसा देकर जबरन ठगी करवाई जाती है। ये गिरोह कॉरपोरेट फ्रेंचाइजी की तरह काम कर रहे हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग और डाटा चोरी जैसी गतिविधियों को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं।

बांग्लादेश अगले साल कर सकता है बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश 2027 में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर सकता है। बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पांडे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन की 30वीं वर्षगांठ का वर्ष 2027 बांग्लादेश की अध्यक्षता का दूसरा और अंतिम वर्ष भी होगा। पांडे ने कहा कि बिम्सटेक के तहत सभी इस तरह की पहल सदस्य देशों की आपसी सहमति से की जाती हैं। हमारे विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों की बैठकों में सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाती है, जिससे नए क्षेत्रों को जोड़ा जाता है। गौरतलब है कि बिम्सटेक में सात सदस्य देश हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं।

सोने की तस्करी मामले में भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक को सिंगापुर में जेल की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय मूल के 39 वर्षीय मलयेशियाई नागरिक तुराह राजू सुब्रमण्यम को 38 महीने की सजा सुनाई। उस पर एक ठगी पीड़िता से 4.12 लाख सिंगापुर डॉलर मूल्य के 1,600 सोने के बिस्कुट प्राप्त कर मलयेशिया तस्करी करने का आरोप है। सुब्रमण्यम ने टेलीग्राम ग्रुप के जरिये काम पाया था। उसने सरकारी अधिकारी बनकर ठगी करने वालों के झांसे में आई 54 वर्षीय महिला से ये बिस्कुट हासिल किए थे। इसके बाद वह मलयेशिया लौट गया। कुछ दिनों बाद सिंगापुर में फिर दाखिल होने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

पश्चिम अफ्रीका में नौका पलटने के हादसों में 150 से अधिक की मौत या लापता

नौआकत, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने मंगलवार को पश्चिम अफ्रीका के तट पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं में लगभग 150 प्रवासियों के मारे जाने या लापता होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ये लोग पिछले सप्ताह यूरोप पहुंचने के प्रयास में नावों पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे। एजेंसी के अनुसार, 14 से 18 जुलाई के बीच हुई इन घटनाओं में 144 लोग या तो मृत पाए गए या लापता हो गए, जबकि 387 लोगों को बचाया गया। मॉरिटानिया के तटरक्षक बल ने बताया कि राजधानी नौआकत के पास तट से 122 लोग लापता हुए। एक नाव, जिसमें गाम्बिया से 160 लोग कैनरी द्वीप की ओर जा रहे थे, ईंधन खत्म होने के कारण 25 दिनों तक समुद्र में फंसी रही। एक अन्य घटना में, तटरक्षक बल ने सेनेगल से एक नाव पर सवार 179 लोगों को बचाया। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों घटनाओं के आंकड़ों में अंतर क्यों है। मॉरिटानिया के जलक्षेत्र उप-सहारा अफ्रीका के उन लोगों के लिए यूरोप में बेहतर जीवन की तलाश का एक प्रमुख मार्ग बन गया है, जहां आर्थिक अवसर सीमित हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने चेतावनी दी है कि कैनरी द्वीप की ओर जाने वाला मार्ग 'दुनिया के सबसे घातक' मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 4.93 और डीजल 7.15 रुपया महंगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 4.93 रुपया प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (।ïस्ष्ठ) में 7.15 रुपया प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें 22 जुलाई से लागू हो गई हैं। दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 320.73 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 367.21 रुपया प्रति लीटर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है।

पीओके में प्रदर्शनकारियों की मौत पर बढ़ा तनाव, जेएएसी ने बड़े आंदोलन का किया ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मंगलवार को कहा कि स्वैच्छिक बंद और चक्का जाम हड़ताल जारी है। संगठन ने 23 जुलाई को बेहद महत्वपूर्ण दिन बताते हुए लोगों से बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने की अपील की है। जेएएसी ने लोगों से अपनी मांगों के कार्यान्वयन की मांग को लेकर पूरी ताकत के साथ प्रदर्शन में शामिल होने और आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। संगठन ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग उन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने पर मारा गया।

कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम : जेएएसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 45 दिनों से जारी उत्पीड़न और क्रूरता, बड़े पैमाने पर हत्याओं और शासकों द्वारा बुनियादी मानवाधिकारों के उल्लंघन के बावजूद हम कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम करते हैं। शासक उन लोगों के हत्यारे हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने के बदले में मार दिया गया। दर्जनों लोगों की हत्या की गई, लेकिन शासकों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। इसका कारण उनकी सत्ता की लालसा है। हम अपने शहीदों के खून से कोई समझौता किए बिना शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखेंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे इन चालाक और धोखेबाज शासकों के झूठे वादों में न आएं।

मुजफ्फराबाद-मीरपुर के लोगों से खास अपील : जेएएसी ने मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करते हुए एक्स पर लिखा कि मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोग 23 जुलाई को पूरी ताकत के साथ विरोध प्रदर्शन करें। 23 जुलाई को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने और बंदूक की नोक पर फर्जी चुनावों के जरिए धोखेबाज, चालाक और पाखंडी लोगों को जनता पर थोपने के संबंध में एक महत्वपूर्ण घोषणा की जाएगी। एक अन्य पोस्ट में जेएएसी ने बताया कि रावलकोट निवासी जिब्रान मुश्ताक फराम तारार, जिनका इस्लामाबाद में इलाज चल रहा था, उनकी मौत हो गई। संगठन के अनुसार, सुरक्षा बलों की गोली लगने से उसकी मौत हुई।

पिछले सप्ताह स्थगित की थी यात्रा : इससे पहले पिछले सप्ताह पीओके में जारी अशांति में 30 से अधिक लोगों की मौत के बाद जेएएसी ने अपनी प्रस्तावित लंबी मार्च यात्रा को 21 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया था। संगठन ने पाकिस्तान सरकार को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए अंतिम अवसर दिया था। 14 जुलाई की समय सीमा खत्म होने के बाद जेएएसी ने मुजफ्फराबाद की ओर मार्च के लिए हजारों समर्थकों को जुटाया था। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए थे। पूरे क्षेत्र से आए काफिले रावलाकोट और अन्य प्रदर्शन स्थलों पर पहुंचे थे। हालांकि, पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद मार्च को स्थगित कर दिया गया। संगठन ने चेतावनी दी थी कि यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो मुजफ्फराबाद की ओर लंबा मार्च दोबारा शुरू किया जाएगा। वहीं, पीओके के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन जारी रहेंगे।

यूएन ने जताई चिंता : 17 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने पीओके में बढ़ती अशांति के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। हालिया हिंसा में दर्जनों लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रवक्ता जेरेमी लॉरेंस ने बयान में कहा कि किसी नागरिक समाज संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। हिरासत में लिए गए जेएएसी नेताओं को कानूनी सहायता और अपने परिवारों से संपर्क का अधिकार मिलना चाहिए। साथ ही, उनके उचित कानूनी प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार की पूरी तरह रक्षा की जानी चाहिए। विरोध पर पाकिस्तानी अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर गहरी चिंता जताते हुए, यूएन मानवाधिकार ऑफिस ने कहा कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) विरोध के पीछे का एक मूवमेंट है। इसमें ट्रेडर्स, ट्रांसपोर्टर्स, स्टूडेंट्स, वकील, एक्टिविस्ट्स और दूसरे लोग शामिल हैं। इन पर पब्लिक ऑर्डर और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने का आरोप है और इन्हें एंटी-टेररिज्म कानूनों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया। ग्रुप के कुछ नेताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमेरिका ने 11वीं रात ईरान पर किये हमले, सैन्य ठिकानों, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने मंगलवार (लोकल टाइम) को कहा कि उसने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं रात हमले पूरे कर लिए हैं. इसमें मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर, समुद्री क्षमताएं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया गया. एक बयान में सेंटकॉम ने कहा कि ऑपरेशन 21 जुलाई को रात 8:15 बजे पर खत्म हुआ और इसका मकसद होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम करना था. बयान में कहा गया, '21 जुलाई को रात 8:15 बजे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं शाम को हमले सफलतापूर्वक पूरे किए.' इसमें आगे कहा गया कि सेंटकॉम के एसेट्स ने ईरानी मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर्स, समुद्री क्षमताओं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटीज और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया ताकि होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम किया जा सके. सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने पिछले तीन महीनों में महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले 30 से ज़्यादा कमर्शियल जहाजों पर हमला किया है. इन हमलों को गैर-जरूरी बताया और कहा कि इनसे सैकड़ों आम नाविकों को खतरा हुआ और नेविगेशन की आजादी कमजोर हुई. सेंटकॉम ने कहा, 'ईरानी हमले के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट कमर्शियल जहाज़ों के आने-जाने के लिए खुला है.' साथ ही, यह भी कहा कि मई की शुरुआत से अमेरिकी सेना ने लगभग 900 कमर्शियल जहाज़ों को इस जरूरी समुद्री रास्ते से लगभग 450 मिलियन बैरल कच्चा तेल ले जाने में मदद की है. इससे पहले सेंटकॉम ने एक्स पर एक पोस्ट में हमलों के नए दौर की शुरुआत का ऐलान किया।

अमेरिका अगस्त 2028 से जेनेरिक दवाओं के इंपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अगस्त 2028 से इम्पोर्टेड जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया. उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग को अपने देश में लाना है. इस कदम का असर भारत पर पड़ सकता है, जो अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है.

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त से अमेरिका देश में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रखेगा, जिसके बाद इसे एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने कहा, '1 अगस्त, 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रहेगा, जिसके बाद टैरिफ को एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा.' ट्रंप ने कहा, 'यह अमेरिका में जेनेरिक फार्मास्यूटिकल प्रोडक्शन को फिर से शुरू करने के लिए किया गया है, जिसमें उन कंपनियों पर पेनल्टी लगाई जाएगी जो उन्हें दिए गए समय के अंदर प्लांट और इक्विपमेंट नहीं बनाने का फैसला करती हैं।

प्रेसिडेंट ने कहा कि इस पॉलिसी का मकसद यूनाइटेड स्टेट्स के लोगों की सुरक्षा करना है. उन्होंने कहा, 'पेटेंटेड, ब्रांडेड या इनोवेटिव दवाओं पर पॉलिसी, जो इतनी सफल रही है, वैसी ही रहेगी.' इंडिया को अक्सर 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है क्योंकि यह दुनिया भर के देशों को जेनेरिक दवाएं सप्लाई करता है.

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में इंडिया ने अमेरिका को 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट की जो उसके कुल ग्लोबल फार्मा एक्सपोर्ट 25.8 बिलियन डॉलर का 38 परसेंट है. इंडियन जेनेरिक दवाएं हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर, इंफेक्शियस बीमारियों और मेंटल हेल्थ के लिए बड़े पैमाने पर लिखी जाती हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा, ऐतिहासिक अब्राहम अकॉर्ड्स में जल्द शामिल हो सकता है लेबनान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बहुत ही बड़ा और ऐतिहासिक बयान दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए संकेत दिया कि लेबनान भविष्य में अब्राहम अकॉर्ड्स का हिस्सा बन सकता है। उनका प्रशासन अमेरिका की मदद से बने इन शांति समझौतों का विस्तार करना चाहता है। ट्रंप के इस अहम बयान से मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे भारी तनाव के पूरी तरह से खत्म होने की उम्मीद जगी है।

व्हाइट हाउस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के साथ एक बेहद अहम और खास मुलाकात के दौरान ट्रंप ने यह बात कही। लेबनान और इजरायल के बीच कई दशकों से चल रहे गंभीर तनाव के बावजूद यह एक बहुत बड़ा और सकारात्मक कदम माना जा रहा है। जब ट्रंप से लेबनान के उन सख्त कानूनों के बारे में पूछा गया जो इजरायल से संपर्क रोकते हैं, तो उन्होंने कहा कि वे इसे उठाएंगे। उन्होंने आउन के साथ इस गंभीर मुद्दे पर भी बहुत ही गहराई से चर्चा करने का पूरा आश्वासन दिया है।

शांति समझौते की बड़ी सफलता : डोनाल्ड ट्रंप ने इस मौके पर स्पष्ट रूप से कहा कि अब्राहम अकॉर्ड्स उनके विचार से एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक सफलता रही है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही दुनिया के कई और देश भी इस अहम शांति समझौते में स्वेच्छा से शामिल होते हुए नजर आएंगे। हाल के सभी क्षेत्रीय संघर्षों के बावजूद ये सभी शांति समझौते पूरी तरह से मजबूत बने रहे हैं और बिल्कुल भी नहीं टूटे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस भारी संघर्ष के समय में भी कोई देश इससे बाहर नहीं हुआ, जो एक बहुत बड़ी बात है। लेबनान की महत्वपूर्ण भूमिका राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि मध्य पूर्व की शांति में लेबनान की एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका आसानी से हो सकती है। वहीं, लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने सीधे तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स का कोई भी सीधा जिक्र अपनी बातचीत में बिल्कुल नहीं किया। लेकिन उन्होंने इजरायल के साथ हाल में हुए इस अहम समझौते के नए ढांचे पर अपनी सकारात्मक बात जरूर रखी। आउन ने कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य लेबनान और इजरायल के बीच की पुरानी दुश्मनी को हमेशा के लिए खत्म करना है।

राष्ट्रपति आउन ने इस शांति प्रयास को एक बहुत ही ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और दोनों नेताओं की सोच को एक जैसा बताया। उन्होंने कहा कि लेबनान और पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए दोनों देश अब एक ही दिशा में सोच रहे हैं। आउन ने स्पष्ट किया कि अब वह सही समय पूरी तरह आ गया है कि लेबनान और पूरा क्षेत्र स्थिर और सुरक्षित बने। दोनों देशों के आपसी सहयोग से इस पूरे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते और बड़े अवसर बहुत ही तेजी से खुलेंगे।

ट्रंप ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका और लेबनान के बीच संबंध सिर्फ सुरक्षा तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य कई अहम क्षेत्रों में भी रिश्ते काफी ज्यादा बढ़ेंगे और बहुत मजबूत होंगे। जब ट्रंप से दोनों देशों के बीच सीधी व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू करने के बारे में एक अहम सवाल पूछा गया। तो इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि वह इसे पूरी तरह से संभव और बहुत आसान मानते हैं। दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों की गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने बहुत ही अहम जानकारी दी।

ईरान ने कुवैत के वाटर प्लांट्स पर किया बड़ा हमला, 90% आबादी के सामने जल संकट

तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में इस समय हालात काफी ज्यादा खराब और तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भयंकर युद्ध का असर अब खाड़ी क्षेत्र पर पड़ रहा है। अमेरिकी हमले के जवाब में अब ईरान लगातार अमेरिका के सहयोगी देशों को अपना निशाना बना रहा है। मंगलवार को कुवैत ने आरोप लगाया कि ईरान ने उसके पॉवर प्लांट पर बहुत बड़ा हमला किया है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने बताया कि ईरान ने लगातार चौथे दिन उनके प्लांट पर यह हमला किया है। इन हमलों के कारण वहां कई जगह भयंकर आग लग गई है और प्लांट्स को भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत का कहना है कि समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले ये डिसेलिनेशन प्लांट बहुत अहम हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रभावित संयंत्रों की मरम्मत का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है।

90 प्रतिशत आबादी पर जल संकट : कुवैत में पीने के पानी की आपूर्ति का एक बहुत बड़ा हिस्सा समुद्री पानी को साफ करके ही पूरी तरह तैयार किया जाता है। देश की करीब 90 प्रतिशत आबादी की पेयजल की मुख्य जरूरत इन्हीं बड़े डिसैलिनेशन प्लांट्स से ही पूरी होती है। इसलिए ईरान द्वारा इन अहम प्लांट पर हुए मिसाइल हमलों को कुवैत सरकार द्वारा बेहद ही गंभीर माना जा रहा है।

खाड़ी देशों पर ईरान का कहर : अमेरिका लगातार ईरान पर बड़े हमले करके उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करने और भारी नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। यू.एस. सेंट्रल कमांड की तरफ से ईरान पर किए गए नए सैन्य हमले की भी पूरी विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच टकराव बहुत ज्यादा बढ़ गया है और युद्ध की स्थिति गंभीर हो गई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की चेतावनी : अमेरिकी हमलों से पूरी तरह बौखलाया ईरान अब अमेरिका के करीबी माने जाने वाले सभी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक पुरानी विस्तृत रिपोर्ट में भी यह बहुत बड़ा दावा किया गया था कि ईरान ऐसा कर सकता है। इस अहम रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में एक बड़ा हाई अलर्ट बहुत पहले ही जारी कर दिया गया था। कुवैत ने अब अपने सभी महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा को बहुत ही ज्यादा कड़ा कर दिया है। कुवैत की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर ईरान का यह सीधा हमला पूरे मिडिल-ईस्ट की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इन हमलों से न केवल कुवैत की बुनियादी ढांचागत सुविधाएं चरमरा गई हैं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर पड़ेगा। इस भारी तनाव के कारण खाड़ी देशों में आगे चलकर बहुत बड़ा ऊर्जा और जल संकट पैदा होने की पूरी आशंका उत्पन्न हो गई है। वैश्विक समुदाय इस युद्ध को रोकने की कोशिश कर रहा है।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी, द्रपाती बने नए सेना प्रमुख

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे। जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है।

क्या जन-प्रदर्शन के आगे झुके राष्ट्रपति जेलेंस्की : यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना पड़ा था।

यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे।

जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

क्या विवाद और सड़कों पर क्यों उतरी जनता : पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए। लोग उन्हें सेना के आधुनिकीकरण का चेहरा मानते थे। वहीं सिरस्की को सोवियत दौर की पुरानी सोच वाला कमांडर माना जाता था।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पाकिस्तान ने शुरू की सौदेबाजी! अमेरिका से मांगे 10 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भयंकर युद्ध के दौरान कूटनीतिक मध्यस्थता करने के बाद अब पाकिस्तान इसका पूरा आर्थिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने अपनी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की स्पेशल एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी की एक बहुत बड़ी मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट से औपचारिक रूप से यह भारी आर्थिक मदद मांगी है। इस बड़ी धनराशि के जरिए पाकिस्तान अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को तुरंत संभालना चाहता है। पाकिस्तान चाहता है कि पांच साल की लंबी अवधि के लिए यह भारी भरकम आर्थिक सुविधा उसे जल्द से जल्द पूरी तरह से दी जाए। इस बड़े कदम से पाकिस्तान को अपने खाली पड़े विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से मजबूत करने और पाकिस्तानी रुपये पर भारी दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा इस बड़ी आर्थिक सहायता के मिलने से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर उसकी पुरानी निर्भरता भी काफी हद तक घट सकेगी। यह भारी फंड मिलने से पाकिस्तान को अपने देश में चल रहे भीषण आर्थिक संकट को दूर करने में एक बहुत बड़ी और अहम राहत मिलेगी।

आईएमएफ के कर्जे का दबाव : फिलहाल पाकिस्तान 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम के तहत अपने देश में बहुत ही सख्त आर्थिक सुधार तेजी से लागू कर रहा है। इसके चलते देश में टैक्स बहुत बढ़ाए गए हैं, सरकारी खर्चों में भारी कटौती की गई है और कई मुश्किल आर्थिक फैसले लिए गए हैं। ऐसे समय में अमेरिका की यह 10 अरब डॉलर की मदद पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी और अहम राहत साबित हो सकती है। पाकिस्तान सरकार को अपने देश को डिफॉल्ट होने से बचाने के लिए इस समय विदेशी फंड की बहुत ही ज्यादा और सख्त जरूरत आन पड़ी है।

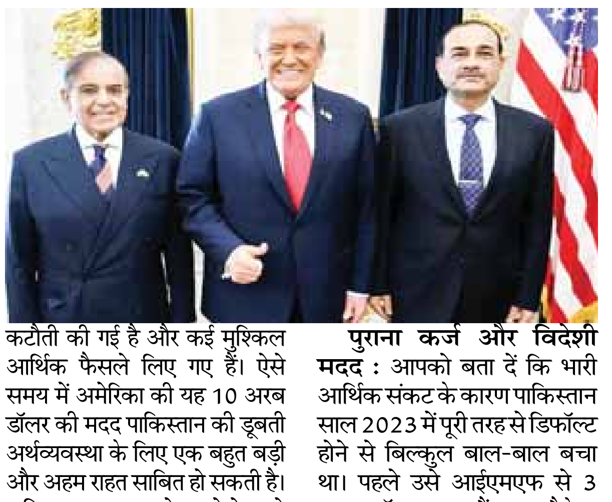

पुराना कर्ज और विदेशी मदद : आपको बता दें कि भारी आर्थिक संकट के कारण पाकिस्तान साल 2023 में पूरी तरह से डिफॉल्ट होने से बिल्कुल बाल-बाल बचा था। पहले उसे आईएमएफ से 3 अरब डॉलर का स्टैंडबाय पैकेज मिला और बाद में 7 अरब डॉलर का एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी कार्यक्रम भी मंजूर हुआ था। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उसे 1.3 अरब डॉलर का एक अलग और बहुत बड़ा कर्ज भी दिया गया था। हालांकि, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अब भी चीन और सऊदी अरब जैसे देशों की भारी वित्तीय मदद पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव : अप्रैल महीने में संयुक्त अरब अमीरात को करीब 3.5 अरब डॉलर वापस लौटाने के बाद पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर बहुत भारी दबाव आ गया था। हालांकि बाद में सऊदी अरब की नई आर्थिक मदद से उसे थोड़ी बहुत राहत जरूर मिली थी, लेकिन यह नाकाफी साबित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका यह 10 अरब डॉलर की सुविधा मंजूर करता है, तो यह केवल एक साधारण आर्थिक मदद नहीं होगी। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत होगा जिससे विदेशी निवेशकों का भरोसा वापस लौटेगा और वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलेगी।

अमेरिका के साथ नए रिश्ते : पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ अपने रिश्ते बहुत मजबूत करने की कोशिश की है। दोनों देशों के बीच क्रिप्टोकरेंसी, रियल एस्टेट, खनन और रेको डिक परियोजना जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग लगातार बहुत तेजी से बढ़ा है। माना जा रहा है कि अमेरिका के साथ इसी बदले हुए रिश्ते का पूरा फायदा उठाकर इस्लामाबाद अब यह बड़ी आर्थिक सहायता हासिल करना चाहता है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.